■ आश्विन शुक्ल - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 69 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 01-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मेरे लिए राजनीति का आधार जाति नहीं, बल्कि बिहारी पहचान : चिराग पासवान

6 आरएसएस का शताब्दी वर्ष : संस्कार निर्माण की पाठशाला है संघ

7 परेश रावल की फिल्म 'द ताज स्टोरी' के पोस्टर से उठा विवाद

**हार्दिक शुभकामनाएं**

सभी पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं को आयुद्ध पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं।

- व्यवस्थापक

## फर्स्ट टेक

### पाकिस्तान ने फतह-4 क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया

**इस्लामाबाद/भाषा।** पाकिस्तान ने मंगलवार को देश में ही विकसित क्रूज मिसाइल 'फतह-4' का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। यह मिसाइल 750 किलोमीटर तक के लक्ष्य को भेद सकती है। पाकिस्तानी सेना ने यह जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि 750 किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाली मिसाइल का प्रक्षेपण किया गया है। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक, ''अत्याधुनिक उपकरणों से लैस यह हथियार प्रणाली, दुश्मन की मिसाइल रक्षा प्रणाली को चकमा देने और उच्च परिशुद्धता के साथ लक्ष्य पर निशाना साधने में सक्षम है।''

### अफगानिस्तान में इंटरनेट बंद

**इस्लामाबाद/एपी।** अफगानिस्तान में सोमवार को इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, अनैतिकता पर तालिबान की कार्रवाई के मद्देनजर इंटरनेट सेवाओं को संभावित रूप से देशव्यापी स्तर पर बंद कर दिया गया है। तालिबान के अगस्त 2021 में सत्ता पर काबिज होने के बाद यह पहली बार है जब अफगानिस्तान में इस तरह की बंद की कोई कार्रवाई हुई है। इस महीने की शुरुआत में तालिबान नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा द्वारा अनैतिकता को रोकने के लिए इंटरनेट सेवा पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी करने के बाद कई प्रांतों के 'फाइबर-ऑप्टिक कनेक्शन' बंद हो गए।

| सूर्यास्त | सूर्योदय |
|---|---|
| 01-10-2025 | 02-10-2025 |
| 6:09 बजे | 6:09 बजे |

| BSE | NSE |
|---|---|
| 80,267.62 | 24,611.10 |
| (-97.32) | (-23.80) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 11,890 रु. | 146,000 रु. |
| (24 कैरेट) प्रति ग्राम | प्रति किलो |

**मिशन मंडेला**

**दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### पाँच साल बाद

वो ही मुद्दे वो ही बातें,
मंदिर मस्जिद के चले दाँव।
आंदोलन हड़तालें धरने,
आक्रोशित सूबे और गाँव।
गठबंधन जाति-समाजों के,
वादों नारों की काँव-काँव।
मायूस मयूरा जन मन का,
फिर देख रहा है थके पाँव।।

# भारत परमाणु 'धमकी' से नहीं डरेगा

■ **परमाणु हथियारों की चुनौती को हमारे सुरक्षा आकलन में शामिल करना समझदारी होगी : सीडीएस चौहान**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नयी दिल्ली/भाषा।** भारत के सुरक्षा आकलन में परमाणु हथियारों से उत्पन्न संभावित चुनौतियों को ध्यान में रखा जाना चाहिए, क्योंकि ऐसा दृष्टिकोण प्रतिरोधक तंत्र में योगदान देगा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

जनरल चौहान ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत परमाणु 'धमकी' से नहीं डरेगा। उन्होंने कहा, ''हालांकि हमारे संदर्भ में परमाणु हथियारों के उपयोग की संभावना बहुत कम है, फिर भी इसे हमारी सुरक्षा आकलन में शामिल करना विवेकपूर्ण होगा।''

सीडीएस चौहान ने कहा, ''रेडियोधर्मी संदूषण के उपचार के लिए अलग प्रोटोकॉल की आवश्यकता होती है और यह हमारे प्रशिक्षण का हिस्सा होना चाहिए। परमाणु खतरों के विरुद्ध तैयारी, इसके उपयोग को रोकने में योगदान देती है। मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है।''

सीडीएस चौहान सैन्य नर्सिंग सेवा (एमएनएस) के शताब्दी समारोह का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

जनरल चौहान ने अपने संबोधन में युद्धों, शांति अभियानों, मानवीय राहत और समकालीन स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों में एमएनएस की अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित किया।

सीडीएस ने एक महिला पर्वतारोहण अभियान को भी हरी झंडी दिखाई।

समारोह का मुख्य आकर्षण एमएनएस का आधिकारिक गीत जारी करना था, जिसमें सेवा की परंपराओं, भावना और पेशेवर गौरव को दर्शाया गया।

यह गीत औपचारिक और आधिकारिक आयोजनों में गाया जाएगा, जो सेवा के दूसरे शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहे एमएनएस अधिकारियों के लिए एक एकीकृत प्रतीक के रूप में कार्य करेगा।

# तीनों सेनाओं का एकीकरण अस्तित्व के लिए अहम : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान प्रदर्शित एकीकृत, तत्क्षण अभियानगत समन्वय के साथ तीनों सेनाओं का तालमेल निर्णायक परिणाम देने का एक जीवंत उदाहरण है, और इसे भविष्य की सभी सैन्य कार्रवाइयों के लिए मानक बनना चाहिए।

एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार भारतीय वायु सेना की एकीकृत वायु कमान और नियंत्रण प्रणाली ने सेना की आकाशतीर वायु रक्षा प्रणाली और भारतीय नौसेना की त्रिगुण के साथ मिलकर काम किया और यह भारत और पाकिस्तान के बीच सात से 10 मई तक चले संघर्ष के दौरान संयुक्त अभियान की रीढ़ बना।

तीनों सेनाओं के बीच तालमेल के महत्व को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि एकजुटता का मार्ग संवाद, समझ और परंपराओं के प्रति सम्मान में निहित है। उन्होंने कहा कि सेनाओं को एक-दूसरे की चुनौतियों का सम्मान करते हुए एक साथ मिलकर नई प्रणालियां बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद तीनों सेनाओं के एकीकरण को और बढ़ावा देना है और यह न केवल नीतिगत मामला है, बल्कि तेजी से बदलते सुरक्षा माहौल में अस्तित्व का मामला भी है।

सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, तीनों सेनाओं के तालमेल ने एक एकीकृत, तत्क्षण संचालन की तस्वीर तैयार की। इसने कमांडरों को समय पर निर्णय लेने, स्थितिजन्य जागरूकता बढ़ाने और अपने नुकसान के जोखिम को कम करने में सक्षम बनाया। यह निर्णायक परिणाम देने वाली एकजुटता का जीवंत उदाहरण है और यह सफलता भविष्य के सभी अभियानों के लिए एक मानक बननी चाहिए।'' सिंह भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युद्ध के बदलते स्वरूप और पारंपरिक तथा गैर-पारंपरिक खतरों के जटिल अंतर्संबंध के कारण, संयुक्तता एक विकल्प के बजाय एक प्रमुख अभियानगत आवश्यकता बन गई है।

## कर्नाटक: फसलों के नुकसान के लिए 8,500 रुपए प्रति हेक्टेयर के हिसाब से अतिरिक्त मुआवजा देने की घोषणा

**कलबुर्गी (कर्नाटक)/भाषा।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि शुरुआती अनुमानों के अनुसार राज्य में बारिश और बाढ़ के कारण 10 लाख हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र पर फसलें बर्बाद हुई हैं और उनकी सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के तहत दी जाने वाली राशि के अलावा 8,500 रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से अतिरिक्त मुआवजा देगी। कलबुर्गी, बीदर, यादगिरी और विजयपुरा ज़िलों में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य सरकार केंद्र से फसलों और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के लिए अतिरिक्त मुआवजे का अनुरोध करेगी।

## भारत में मानसून के बाद सामान्य से अधिक वर्षा की संभावना : आईएमडी

**नयी दिल्ली/भाषा।** उत्तर-पश्चिम के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर भारत के अधिकांश भागों में अक्टूबर से दिसंबर के मानसून-पश्चात मौसम के दौरान सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। यह जानकारी भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को दी। चार महीने का दक्षिण-पश्चिम मानसून मौसम मंगलवार को समाप्त हो गया, जिसमें देश में सामान्य से आठ प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई। आईएमडी महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अक्टूबर-दिसंबर की अवधि में अधिकांश क्षेत्रों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की उम्मीद है, जबकि उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से लेकर सामान्य से कम वर्षा हो सकती है।

**तमिलनाडु भगदड़ पर विजय ने कहा :**

# करूर का दौरा नहीं किया क्योंकि इससे 'असामान्य' स्थिति उत्पन्न हो सकती थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** अभिनेता एवं तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) पार्टी के संस्थापक विजय ने तमिलनाडु के करूर में अपनी एक रैली में मची भगदड़ में 41 लोगों की मौत के कुछ दिन बाद मंगलवार को कहा कि उन्होंने अभी तक प्रभावित लोगों से मुलाकात नहीं की है, क्योंकि उनकी वहां मौजूदगी से असामान्य स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। अभिनेता विजय ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी ऐसी दुखद स्थिति का सामना नहीं किया। उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को चुनौती दी कि वे उनके साथ कुछ भी कर सकते हैं, लेकिन उनकी पार्टी के सहयोगियों के साथ नहीं।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में कहा, ''मैंने करूर का दौरा नहीं किया क्योंकि इससे असामान्य स्थिति उत्पनन हो सकती थी। मैं जल्द ही आपसे (पीड़ितों और घायलों के परिवारों से) मिलूंगा।'' विजय ने कहा कि घटना का सच जल्द ही सामने आएगा और उन्होंने संकेत दिया कि वह कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''आप मेरे साथ कुछ भी कर सकते हैं।''

विजय ने यह बात ऐसे समय कही जब उनके पार्टी सहयोगियों के खिलाफ 27 सितंबर को तमिलनाडु के पश्चिमी करूर जिले में हुई भगदड़ के सिलसिले में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने टीवीके के जिन नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है उनमें पार्टी के वरिष्ठ नेता बस्सी एन आनंद और सीटीआर निर्मल कुमार शामिल हैं। करूर जिला राजधानी चेन्नई से लगभग 400 किलोमीटर दूर है। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) को आड़े हाथ लेते हुए उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री महोदय, अगर आपके मन में बदला लेने का विचार है, तो आप मेरे साथ कुछ भी कर सकते हैं लेकिन पार्टी के लोगों को नहीं छू सकते।'' उन्होंने दावा किया कि घटना वाले दिन, लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, वह करूर से जल्दी निकल गए थे।

### 'विजय की रैली में बिजली गुल हो जाना, संकरी जगह, कुछ तो गड़बड़ है' : हेमा मालिनी

करूर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद हेमा मालिनी ने मंगलवार को दावा किया कि करूर में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय की रैली के दौरान आयोजन स्थल के संकरा होने और कार्यक्रम के दौरान बिजली गुल हो जाने में कुछ तो 'गड़बड़' लगता ही है, क्योंकि ये बातें स्वाभाविक नहीं हो सकती हैं। हेमा मालिनी 27 सितंबर को वेलुसामीपुरम में हुई भगदड़ से जुड़ी परिस्थितियों की जांच के लिए यहां आये राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के आठ-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं। इस भगदड़ में 41 लोगों की जान चली गयी और लगभग 60 घायल हो गए थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन द्वारा कार्यक्रम के वास्ते 'संकरा आयोजन स्थल' मुहैया कराया जाना 'अनपयुक्त' है। हेमा मालिनी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''विजय की रैली के दौरान बिजली गुल हो गई थी। कुछ गड़बड़ लग रहा है, यह स्वाभाविक नहीं है।''

## चेन्नई में निर्माणाधीन इमारत के ढहने से नौ प्रवासी मजदूरों की मौत

**चेन्नई/भाषा।** एन्नोर थर्मल पावर स्टेशन की एक निर्माणाधीन इमारत के मंगलवार को ढह जाने से नौ प्रवासी श्रमिकों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने नौ लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में कहा, मुझे यह सुनकर दुख हुआ है कि एन्नोर में बीएचईएल द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य के दौरान हुई दुर्घटना में असम के नौ श्रमिकों की जान चली गई। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। मुख्यमंत्री ने विद्युत मंत्री एसएस शिवशंकर और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी तथा तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएएनजीईडीसीओ) के अध्यक्ष के राधाकृष्णन को दुर्घटना स्थल पर तत्काल राहत कार्य की निगरानी करने का आदेश दिया। स्टालिन ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की और आदेश दिया कि पार्थिव शरीर को उनके गृह राज्य पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

# भारत दुनिया का नया निर्माता, हम चाहते हैं कि वह हमारे क्षेत्र का भी निर्माण करे : इजराइल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **ट्रंप और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच व्हाइट हाउस में हुई बातचीत के बाद प्रस्तुत की गई इस योजना में गाजा में युद्ध को तत्काल समाप्त करने और हमास द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों को 72 घंटों के भीतर रिहा करने का प्रस्ताव है।**

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत में इजराइल के राजदूत रियूवेन अजार ने मंगलवार को कहा कि गाजा के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना भारत जैसे देशों को इस क्षेत्र में पुनर्निर्माण गतिविधियां चलाने की अनुमति देगी, क्योंकि नई दिल्ली पश्चिम एशिया में शांति के लिए सकारात्मक भूमिका निभा रहा है।

राजदूत ने ट्रंप की 20-सूत्री शांति योजना पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिक्रिया का भी स्वागत किया और कहा कि भारत इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

ट्रंप और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच व्हाइट हाउस में हुई बातचीत के बाद प्रस्तुत की गई इस योजना में गाजा में युद्ध को तत्काल समाप्त करने और हमास द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों को 72 घंटों के भीतर रिहा करने का प्रस्ताव है।

हमास ने कहा है कि वह इस शांति योजना का अध्ययन कर रहा है और उसके बाद ही अपनी प्रतिक्रिया देगा।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए ट्रंप द्वारा की गई व्यापक योजना की घोषणा का स्वागत किया।

मोदी ने अपने पोस्ट में कहा, ''हम गाजा में संघर्ष समाप्त कराने संबंधी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप की एक व्यापक योजना की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह (योजना) फलस्तीनी और इजराइली लोगों के साथ-साथ व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करती है।''

यह पूछे जाने पर कि क्या शांति योजना को अंतिम रूप दिए जाने से पहले भारत को इसकी जानकारी दी गई थी, अजार ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।

# पाकिस्तान और भारत का संघर्ष बहुत बड़ा था, मैंने उसे सुलझाया : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने परमाणु शक्ति संपन्न भारत और पाकिस्तान के बीच 'बहुत बड़े' संघर्ष को सुलझाया था।

ट्रंप ने क्वांटिको में सैन्य नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''जब से हम यहां (पद पर) आए हैं, मैंने कई युद्ध सुलझाए हैं। हम लगभग नौ महीने से पद पर हैं, और मैंने सात युद्ध सुलझाए हैं। और कल हमने शायद उनमें से सबसे बड़े युद्ध को सुलझाया। हालांकि मुझे नहीं पता, पाकिस्तान (और) भारत (के बीच संघर्ष) बहुत बड़ा था, दोनों परमाणु शक्तियां हैं। मैंने इसे सुलझाया।''

गाजा संघर्ष को समाप्त करने की सोमवार को घोषित अपनी योजना का जिक्र करते हुए, ट्रंप ने कहा, ''हमने इसे सुलझा लिया है, मुझे लगता है कि यह सुलझा लिया गया है। देखते हैं। हमास को सहमत होना होगा, और अगर वे सहमत नहीं होते हैं, तो यह उनके लिए बहुत कठिन होगा, लेकिन जो है सो है। लेकिन सभी अरब राष्ट्र, मुस्लिम राष्ट्र, सहमत हो गए हैं।''

गत 10 मई को, ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में एक लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान 'पूर्ण और तत्काल' युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं, तब से उन्होंने लगभग 50 बार यह दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का 'समाधान निकालने में मदद की' है।

पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र के मंच से विश्व नेताओं को संबोधित करते हुए, ट्रंप ने अपना यह दावा दोहराया था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रोका था।

भारत लगातार यह कहता रहा है कि पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष समाप्त करने पर सहमति दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी।

# सबसे बड़ी शक्ति आध्यात्मिक शक्ति होती है : साध्वी सोमयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ भवन यशवंतपुर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी सोमयशाजी के सान्निध्य में नवरात्रि आध्यात्मिक अनुष्ठान का आयोजन हुआ। साध्वी सोमयशाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि संसार में अनेक प्रकार की शक्तियों का महत्व है, परंतु सबसे बड़ी शक्ति आध्यात्मिक शक्ति होती है। प्रत्येक क्षेत्र में सफलता के लिए व्यक्ति का शक्तिसंपन्न होना आवश्यक है। राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षिक अथवा किसी भी क्षेत्र में सफल होने के लिए आत्मशक्ति का होना अनिवार्य है। आत्मशक्ति को जागृत करने हेतु अनेक धार्मिक अनुष्ठान बताए गए हैं, जिनमें नवरात्र अनुष्ठान अत्यंत महत्वपूर्ण है। बाह्य उपद्रव से बचने के लिए एवं आत्मशक्ति को जगाना तप अनुष्ठान है।

आयंबिल तप का आयोजन जैन धर्म में आयंबिल तप का विशेष महत्व है, इसमें स्वाद विजय और आहार संयम पर बल दिया जाता है। साध्वी ने अनुष्ठान का अर्थ और उसके बीज मंत्रों के बारे में विस्तार से बताते हुए मंगल भावना के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. साध्वी सरलयशा जी ने अनुष्ठान को और अधिक शक्तिशाली बनाने के तरीके बताए। साध्वी ऋषिप्रभाजी ने तप के आध्यात्मिक एवं सांसारिक प्रभाव व लाभ के बारे में उपस्थित श्रद्धालुओं को बताया।

इस तप में सभा, युवक परिषद, महिला मंडल तथा ज्ञानशाला के सदस्यों ने भाग लिया। संयोजिका चन्द्रा सिसोदिया, दिलीप पितलिया ने व्यवस्था संभाली। इस मौके पर मारवाड़ कांठा समाज के नवनिर्वाचित संस्थापक अध्यक्ष गौतम मुथा का सम्मान किया गया।

# गौतमचंद मुथा बने 'मारवाड़ कांठा समाज के संस्थापक अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर में प्रवासित काँठा क्षेत्रीय तेरापंथ समाज के सदस्यों की एक बैठक गांधीनगर भवन में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में आयोजित हुई जिसमें 'मारवाड़ कांठा समाज' का गठन किया गया और संस्थापक अध्यक्ष के रूप में गौतमचंद मुथा को जिम्मेदारी सौंपी गई। मुनिश्री ने कहा कि मारवाड़ क्षेत्र के अनेक कार्यकर्ताओं का संघीय एवं सामाजिक संस्थाओं में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।

यह नया संगठन आपसी सामाजिक सौहार्द का परिचायक बने यही शुभकामनाएं। अध्यक्षीय वक्तव्य में गौतम मुथा ने सभी को साथ लेकर मारवाड़ कांठा समाज को विकास व संगठन की राह पर चलने की बात कही तथा अपने चयन के लिए उपस्थित जनों को धन्यवाद दिया। पवन चौपड़ा ने नए संगठन के गठन के उद्देश्य की जानकारी दी। इस अवसर पर आगामी योजनाओं पर गहन विचार विमर्श हुआ तथा समाजहित में अनेक निर्णय लिए गए।

बैठक में पारसमल भंसाली, पारसमल डोसी, पवन चौपड़ा, ललित आच्छा, विनोद छाजेड़, प्रकाश कटारिया, महावीर ओस्तवाल आदि उपस्थित अनेक सदस्यों ने सुझाव देते हुए विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन नवनीत मुथा ने किया ।

# गांधीनगर में महाशक्ति मंत्र आराधना अनुष्ठान आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गांधीनगर तेरापंत भवन में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में नवरात्रि तथा रवि योग सिद्धि योग के शुभ मुहूर्त पर दिव्य महाशक्ति मंत्र आराधना अनुष्ठान का आयोजन किया गया। पुलकित कुमारजी ने कहा कि मंत्र आराधना अनुष्ठान मन को शांति और शक्ति देने वाले होते हैं। नवरात्रि के समय को जैनाचार्यों ने शक्ति संवर्धन व आध्यात्मिक शक्ति को जागृत करने का समय बताया।

मुनिश्री ने मंत्र आराधना अनुष्ठान का महत्व उजागर करते हुए कहा कि मंत्र अनुष्ठान से मोहनीय कर्म, अंतराय कर्म, ज्ञानावरणीय कर्म आदि दुख देने वाले अशुभ कर्म क्षीण होते हैं।दुनिया में शक्ति का महत्व होता है। आध्यात्मिक शक्ति संवर्धन के लिए मंत्र आराधना अनुष्ठान बूस्टर डोज के रूप में काम करता है। मुनिश्री ने जैन धर्म में प्रचलित अनेक बीज मंत्रों का उच्चारण करते हुए श्रावक समाज को संकल्प देकर दिव्य महाशक्ति मंत्र आराधना अनुष्ठान संपन्न करवाया। मुनिश्री आदित्य कुमारजी ने लोगस्स पाठ की मंत्र आराधना करवाई। मंत्र अनुष्ठान में सकल जैन समाज के श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। इस अवसर पर उपासक विनोद कोठारी, रामलाल गन्ना, लक्ष्मीपत मालू सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। मंत्री विनोद छाजेड़ ने वॉइस ऑफ तेरापंथ के फाइनल कार्यक्रम की जानकारी दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## कन्या भोज

नवरात्रि महोत्सव के अष्टमी पूजा के दिन सोमवार को बेंगलूरु माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा सामूहिक रूप से 151 कन्याओं को कन्या भोजन करवाया गया। संस्था की पुष्पा जाजू , स्नेहल राठी, अर्चना राठी, राधिका मूंदडा, अनिता धूत, श्रीकांता मोदनी आदि ने सबसे पहले मां दुर्गा की पूजा की तत्पश्चात कन्या भोज में सहयोग दिया। अंत में सभी कन्याओं को तिलक लगाकर उपहार स्वरूप टिफिन बॉक्स, फल, बिस्कुट, पेन्सिल, रबड़, और दक्षिणा भेंट कर विदा किया।

# नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में विश्व शांति के लिए दी गई आहूतियां

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज बेंगलूरु शाखा के मार्गदर्शन में गायत्री परिवार, राजपुरोहित संघ व समाज द्वारा 9 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन तुलसी तोट्टम स्थित खेतेश्वर भवन में सम्पन्न हुआ, जिसमें शांतिकुंज के वरिष्ठ प्रतिनिधि एवं दक्षिण भारत प्रभारी नरेंद्र ठाकुर ने अध्यक्षता की। यज्ञ का शुभारंभ शोभा राजपुरोहित द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से हुआ। कार्यक्रम में बेंगलूरु के सांसद पी सी मोहन और कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों का स्वागत गायत्री परिवार बेंगलूरु के मुख्य ट्रस्टी हरिशंकर राजपुरोहित एवं राज्य समन्वयक शेखर चतुर्वेदी ने किया। इस आयोजन में शांतिकुंज से लाया गया दिव्य ज्योति कलश मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा। इस यज्ञ में कुल ग्यारह हजार वैदिक मंत्रों की आहुति दी गई, जिसमें मानव कल्याण व राष्ट्र निर्माण की कामनाएं की गईं। इस कार्यक्रम में बेंगलूरु मध्य के भाजपा जिलाध्यक्ष सप्तगीरि गौड़ा, राजपुरोहित समाज के अध्यक्ष नारायणसिंह तालकीया, राजपुरोहित संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बलवंतसिंह नून सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

# श्याम स्टूडेंट प्रीमियर लीग की ट्रॉफी का हुआ अनावरण, लीग मैच खेले गए

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के प्रतिष्ठित पीजी आवास सुविधा 'श्याम स्टे' द्वारा आयोजित श्याम स्टूडेंट प्रीमियर लीग (एसपीएल) का आयोजन रविवार को किया गया जिसमें श्याम स्टे की विभिन्न शाखाओं से 6 टीमों के बीच 15 रोमांचक लीग मैच खेले गए। मुख्य अतिथि आरवी युवराज द्वारा एसपीएल की ट्रॉफी का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में एकल युवा टीम दक्षिण क्षेत्र के अध्यक्ष प्रीतेश बुरड़, पवन राजलीवाल, विकास गुप्ता, आशीष गुप्ता, गौरव अग्रवाल सहित श्याम स्टे के संचालक शुभम लोहिया, गगन लोहिया एवं भाग्यश्री लोहिया आदि उपस्थित थे। मैचों के दौरान श्याम स्टे के पूर्व निवासित विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर टीमों का उत्साहवर्धन किया। एसपीएल न केवल खेल प्रतिभा को उभारने वाला मंच बना, बल्कि इसने विद्यार्थियों के बीच आपसी सहयोग, टीम भावना एवं सौहार्द को भी बढ़ाया। इस प्रतियोगिता का फाइनल मैच शीघ्र ही आयोजित होगा।

# टीपीएफ सेन्ट्रल ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम सेंट्रल ने रविवार को गांधीनगर भवन में मुनि डॉ. पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में 'मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह' का आयोजन किया जिसमें दसवीं और बारहवीं कक्षा में 85 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मानित करते हुए प्रमाणपत्र और मेडल प्रदान किए। सेंट्रल शाखा के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर दक्षिण जोन के अध्यक्ष विक्रम कोठारी ने विचार व्यक्त किए। सम्मान के बाद संयुक्त कोषाध्यक्ष तृप्ति सुराणा ने 'अनलॉक यूओर माइंड' विषय पर ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी। मुनि पुलकित कुमारजी ने विद्यार्थियों को अनुशासन, दृढ़ निश्चय और समग्र शिक्षा के महत्व पर ज्ञान दिया। इस मौके पर फोरम के पूर्व राष्ट्रीय न्यासी एमसी बलदोटा, पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र दुग्गड़, हितेश गिरिया, श्रवण सियाल आदि उपस्थित थे। संयुक्त सचिव प्रेशिता प्रियदर्शिनी ने सभी को धन्यवाद दिया। संचालन नवीन आच्छा व प्रेशिता प्रियदर्शिनी आच्छा ने किया।

# नवरात्रि पर 'बॉलीवुड डांडिया नाइट 2025' का हुआ आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। नवरात्रि के अवसर पर अग्रवाल समाज कर्नाटक एवं अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन कर्नाटक द्वारा 'बॉलीवुड डांडिया नाइट 2025' का आयोजन पैलेस ग्राउंड में किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। अग्रवाल समाज कर्नाटक के अध्यक्ष सुभाष बंसल, अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन कर्नाटक के अध्यक्ष आरपी रविशंकर सहित दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। दुर्गा आरती के बाद डांडिया व गरबा रास की शुरुआत हुई। मंच संचालन की जिम्मेदारी ऋतु अग्रवाल एवं ममता अग्रवाल ने संभाली। ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर बॉलीवुड की प्रसिद्ध गायिका शिवानी कश्यप ने अपनी टीम के साथ गरबा और डांडिया के लोकप्रिय गीतों पर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद डीजे सीड के डिस्को डांडिया ट्रैक्स ने माहौल को और भी रोमांचक बना दिया। इस अवसर पर मुख्य प्रायोजक 'केया होम्स'व लक्की ड्रॉ के प्रायोजक गोल्डन फार्म्स रिसॉर्ट्स को धन्यवाद दिया गया।

कार्यक्रम में बम्पर लकी ड्रा, बेस्ट डांसर, बेस्ट ड्रेस, दमदार जोड़ी, एनर्जेटिक डांसर आदि वर्ग में भी विजेताओं को सम्मानित किया गया। लगभग 5 घंटे तक चले इस सांस्कृतिक उत्सव की युवा वर्ग विशेष उत्साहित दिखा।

# आरआर नगर तेरापंथ ज्ञानशाला ने आयोजित की संस्कार निर्माण कार्यशाला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आरआर नगर तेरापंथ भवन में विराजित साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में ज्ञानशाला के बच्चों के 'संस्कार निर्माण शिविर' का आयोजन तेरापंथ सभा द्वारा रविवार को किया गया। सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया। साध्वी पुण्ययशा जी ने कहा कि आचार्यश्री तुलसी ने ज्ञानशाला का केवल बीज ही नहीं बोया, इसे प्रतिष्ठित भी किया।

वर्तमान में आचार्य श्री महाश्रमणजी भी ज्ञानशाला के प्रति उतने ही जागरूक हैं। ज्ञानशाला के माध्यम से बच्चे केवल जैन विद्या का ज्ञान ही अर्जित नहीं करते अपितु जैन संस्कारों को सीखते हुए अपने जीवन को आदर्श बनाते हैं। जो बच्चा अपने गुरुजनों, माता-पिता का सम्मान करता है वही आदर्श बच्चा कहलाता है।

प्रेक्षा प्रशिक्षक हेमराज सेठिया द्वारा बच्चों को योग का प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएं, धार्मिक हाउजी आदि का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में गांधीनगर सभा के मंत्री विनोद छाजेड़, ज्ञानशाला के कर्नाटक आंचलिक संयोजक माणक संचेती, क्षेत्रीय प्रभारी नीता गादिया, संयोजिका पवन संचेती, टीपीएफ वेस्ट के अध्यक्ष ललित बैंगानी, आरआर नगर ज्ञानशाला के प्रभारी सुशील भंसाली ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका नीतू बाफना ने किया तथा प्रिया छाजेड़ ने धन्यवाद दिया।

शाम को तेरापंथ प्रबोध प्रतियोगिता में छह ग्रुप के माध्यम से 19 प्रतिभागी शामिल हुए। साध्वी बोधिप्रभाजी ने बहुत ही रोचक एवं सरल तरीके से प्रतियोगिता करवाई जिसमें हेमराज ग्रुप प्रथम, अजबूजी ग्रुप द्वितीय व तृतीय स्थान पर फतेहचंद ग्रुप रहा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## सम्मान

बेंगलूरु के तेरापंथ भवन यशवंतपुर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी सोमयशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा यशवंतपुर के सदस्यों ने मारवाड़ कांठा समाज के नवनिर्वाचित संस्थापक अध्यक्ष व यशवंतपुर निवासी गौतमचन्द मूथा का सम्मान किया।

# कर्मों की निर्जरा करने वाले ही होते हैं सिद्ध पुरुष : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में नवपद की आराधना का पर्व चल रहा है। नवपद में देव पद, गुरु पद और धर्म पद होता है। जिन्होंने कर्मों को सिद्ध कर लिया वही सिद्ध हैं। जिनका हर काम हो गया और कोई शेष काम नहीं बचा है वही सिद्ध होते हैं। जिनमें मोह, माया, लोभ नहीं, वही सिद्ध होते हैं। सिद्ध होने वाले जीवन को तार लेते हैं। ऐसे सिद्ध लोगों ने अपने कर्मों को खपाया है। उनके सभी कार्य सिद्ध हुए हैं। ऐसे सिद्ध भगवान को नमन कर जीवन को सुधार लेना चाहिए। जिनके कर्म खत्म होते हैं, संसार सम्बन्धी कोई विडंबना नहीं होती है, वही सिद्ध भगवान कहलाते हैं। धर्म सम्बन्धी विचार और जिज्ञासा अगर मन में आए तो उसका समाधान भी मिल जाता है। जब लोगों के मन में धर्म की बात ही नहीं आएगी तो समाधान कहां से मिलेगा? कुछ बातों में थोड़ा धैर्य भी रखना चाहिए। ङ्गसंतश्री ने कहा कि धर्म के काम में धैर्य रखना बहुत जरूरी है। अगर हड़बड़ी करेंगे तो कुछ हासिल नहीं होगा। धैर्य रखने वाला जीवन को बदल लेता है। गुरु के सामने बैठे हैं तो धैर्य रखें। भगवान का भजन करना है तो शांति रखें। जो वीर और महापुरुष हैं उन्होंने कभी भी किसी चीज को लेकर जल्दबाजी नहीं दिखाई। गुरु चरणों में भी गए तो शांति से सुना और आत्मसात किया। ङ्गगुरुदेव ने कहा कि जब मन दुखी हो और चारों तरफ अंधेरा हो तो मनुष्य को 'सिद्धा शरणम् गच्छामि' बोलना चाहिए। सुख में मानव भगवान को याद नहीं करता है। दुख आता है तो भगवान को याद करता है। लेकिन याद रखो भगवान का नाम हर वक्त लेना चाहिए। सिर्फ होठ से नहीं दिल से याद करो। ऐसा करोगे तो सब अपने आप सही हो जाएगा। संतश्री ने तपस्वी संत सुमतिप्रकाशजी की जयंती पर कहा कि उनका जीवन बहुत अलग था।

वे बहुत ही स्पष्ट वक्ता थे। उनके नजर में सब एक समान थे। उन्होंने 45 साल तक आयम्बिल का वर्षीतप किया था। वे त्यागी और तपस्वी थे और उन्होंने त्याग कर जीवन को बदला। उनके जीवन से त्याग तपस्या की भावना को अपने जीवन में उतार कर कल्याण करना चाहिए। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन करते आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## चैम्पियन ट्रॉफी

बेंगलूरु में रविवार को सेंट जॉन्स ग्राउंड पर बेंगलूरु जैन टेनिस बॉल क्रिकेट ट्रस्ट और जैन क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में चैम्पियन्स ट्रॉफी 2025 का फाइनल कैप्टन संदीप कोठारी की टीम सफ़ायर व टीम ग्लैडिएटर्स के बीच खेला गया। फाइनल में पूरी प्रतियोगिता में नाबाद रही टीम सफायर ने 15 ओवरों में 102 रन बनाए और वही इसके जवाब में टीम ग्लैडिएटर्स मात्र 56 रन पर ऑल आउट हो गई। टीम सफायर ने 46 रन से चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता। श्रेयांस कोठारी ने बताया कि मैन ऑफ दि फाइनल संदीप कोठारी, बेस्ट बैट्समैन रोहित बम्बकी और मैन ऑफ़ दि सीरीज हर्ष रांका बने।

# इलेक्ट्रॉनिक बाजार में 'एसपी रोड हब्बा' की हुई शुरुआत

## दीपावली तक खरीददारी को बढ़ावा देने के लिए शुरू की पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में दक्षिण भारत के सबसे बड़े बाजारों में से एक इलेक्ट्रॉनिक बाजार एसपी रोड में 'एसपी रोड हब्बा-2025' की शुरुआत हुई। उद्घाटन सत्र के विशेष अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन और आर्य वैश्य महासभा के अध्यक्ष आरपी रवि शंकर, मुख्य अतिथि के रूप में हलसूर गेट पुलिस स्टेशन के एसीपी शिवानंद चलवाड़ी, ट्रैफिक पुलिस अधिकारी आयशा, बीबीएमपी के पदाधिकारी प्रदीपकुमार, कृष्ण कुमार, हलसूर गेट पुलिस स्टेशन और एसजे पार्क स्टेशन के इंस्पेक्टर के साथ संगठन के अध्यक्ष विशाल वरंदानी, संयोजक व उपाध्यक्ष ललित डाकलिया, महामंत्री अरुण लुणावत ने दीप प्रज्वलन करके हब्बा की शुरुआत की। इस हब्बा के अंतर्गत एसपी रोड में उपस्थित एक हजार से अधिक प्रतिष्ठानों में दशहरा से दीपावली तक खरीदारी करने पर एक लकी ड्रा कूपन प्रदान किया जाएगा जिसका लकी ड्रा प्रति शनिवार को खोला जाएगा। लक्की ड्रॉ में एक टू व्हीलर स्कूटर के साथ अनेकों अन्य गिफ्ट भी प्रदान किए जाएंगे।

दीपावली के पश्चात बम्पर ड्रॉ निकाला जाएगा जिसमें एक कार के साथ अनेक गिफ्ट दिए जाएंगे। हब्बा के सह संयोजक उदेश राजपुरोहित, विशाल बोहरा, अमित बोराना, नरेश जैन ने कहा कि इस हब्बा का मुख्य उद्देश्य एसपी रोड में खरीददारी को बढ़ावा देना है। इस हब्बा में सक्रिय भूमिका निभाते हुए उपाध्यक्ष मदनलाल धोका, किशोर राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष महावीर मुणोत, सहमंत्री अमराराम, दिनेश चारण, सहकोषाध्यक्ष कैलाश बोहरा, रविंद्र राजपुरोहित और संगठन मंत्री आलोक गंग आदि ने व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम का संचालन उदय कुमार एंड टीम ने किया।

स्थानीय समाचार पृष्ठ 7 पर देखें

## करतबबाजी

मैसूरु में मंगलवार को दशहरा एयर शो में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (एसकेएटी) ने बन्नीमंडप परेड ग्राउंड में शानदार हवाई प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सूर्यकिरण की टीम ने एक से एक सुन्दर करतबबाजी की जिसे देखकर लोगों ने काफी सराहा। पहली बार दशहर में एयरशो का आयोजन किया गया है।

# हासन जिले में संदिग्ध विस्फोट, दंपति घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। हासन जिले में आलूर तालुका के एक घर में हुए संदिग्ध विस्फोट से एक दंपति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार देर रात हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले इसे सिलेंडर विस्फोट समझा गया था लेकिन पुलिस अभी तक विस्फोट के सटीक कारण का पता नहीं लगा पाई है। अधिकारी ने बताया कि विस्फोट में गंभीर रूप से घायल दंपति काव्या (28) और सुदर्शन (32) को बेहतर इलाज के लिए बेंगलूरु के विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हासन के पुलिस अधीक्षक मोहम्मद सुजीता एम एस ने संवाददाताओं को बताया कि 29 सितंबर को मोहन कुमार की शिकायत के आधार पर आलूर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था। कुमार ने सूचना दी थी कि उनके घर में विस्फोट हुआ है। शिकायतकर्ता के मुताबिक सोमवार रात लगभग 8.30 बजे, जब वह, बेटा, बहू और पोते-पोती घर में थे तभी शौचालय के पास एक धमाके की आवाज आई। इस विस्फोट में उनके बेटे और बहू गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक सुदर्शन और काव्या बुरी तरह झुलस गए हैं और इलाज के लिए उन्हें बेंगलूरु ले जाया गया है। उनके मुताबिक घायल दंपति की हालत गंभीर बताई जा रही है।

अधिकारी ने बताया, ''अब तक की जांच के मुताबिक काव्या और सुदर्शन घर के गलियारे में किसी चीज पर काम कर रहे थे, जिसके कारण विस्फोट हुआ। शिकायतकर्ता ने अपने बयान में संदेह जताया है कि यह सिलेंडर विस्फोट या किसी अन्य चीज के कारण हो सकता है...।'' पुलिस अधीक्षक ने शुरुआती जांच का हवाला देते हुए बताया कि सुदर्शन एक स्पेयर पार्ट्स बनाने वाली कंपनी का कर्मचारी है और अंशकालिक तौर पर वह बढ़ई का काम भी करता है।

उन्होंने कहा, ''शिकायतकर्ता का दावा है कि उनका बेटा किसी तरह का बढ़ई का काम कर रहा था, जिसके कारण सिलेंडर में विस्फोट हुआ होगा। इसलिए, हम अपनी जांच केवल सिलेंडर विस्फोट तक ही सीमित नहीं रख रहे हैं। हम उस जगह पर उपलब्ध अन्य नमूने भी एकत्र कर रहे हैं, जिनमें रासायनिक घटक भी शामिल हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि दुर्घटना का वास्तविक कारण क्या था।'' सुजीता ने बताया कि फिलहाल फॉरेंसिक जांच टीम और वरिष्ठ अपराध जांच अधिकारी घटनास्थल पर उपलब्ध सुरागों की जांच कर रहे हैं और आगे की जांच के लिए नमूने एकत्र कर रहे हैं।

# गृह मंत्री परमेश्वर ने एसआईटी से धर्मस्थल जांच को यथाशीघ्र पूरा करने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने धर्मस्थल में कई हत्याओं, बलात्कारों और शवों को ''दफनाने'' के आरोपों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) को जल्द से जल्द इस विवेचना को पूरा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि मामले से संबंधित अपराध विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की रिपोर्ट अभी लंबित है। परमेश्वर ने यहां पत्रकारों से कहा,एसआईटी अपना काम कर रही है। एफएसएल की रिपोर्ट आनी बाकी है। हाल में मिली सामग्री एफएसएल को भेज दी गई है। हमने उनसे पहले मिली सामग्री पर रिपोर्ट को अंतिम रूप देने और भेजने को कहा है। हमने एसआईटी को जल्द से जल्द जांच पूरी करने को कहा है।

उन्होंने कहा, ''एक के बाद एक, लोग आकर जांच के सिलसिले में आवेदन दे रहे हैं। यह सिलसिला यूं ही नहीं चल सकता। इसका अंत होना चाहिए।'' गृहमंत्री ने कहा, ''हम एसआईटी को कल या परसों जांच पूरी करने के लिए नहीं कह सकते। जांच पूरी करने के लिए उन्हें जानकारी या सामग्री की आवश्यकता होगी। एफएसएल रिपोर्ट आनी है। उन रिपोर्टों को अंतिम रूप दिया जाना है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए एसआईटी कार्रवाई करेगी।''

विवाद तब शुरू हुआ जब एक शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उसने पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में यौन उत्पीड़न के निशान वाली महिलाओं समेत कई शवों को दफनाया है, जिससे स्थानीय मंदिर के प्रशासकों पर संदेह पैदा हो गया। इस शिकायतकर्ता की बाद में पहचान सी एन चिन्नैया के रूप में हुई और उसे झूठी गवाही के आरोप में गिरफ्तार किया गया। राज्य सरकार ने इस एसआईटी का गठन किया है जिसने नेत्रवती नदी के किनारे वन क्षेत्रों में शिकायतकर्ता द्वारा चिन्हित कई स्थानों पर तलाशी ली और दो स्थानों से कंकाल के अवशेष बरामद किए। इस माह के आरंभ में, एसआईटी ने नेत्रवती स्नान घाट के पास बंगलेगुड्डे वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त अवशेष बरामद किए।मई में शिकायतकर्ता और अन्य की रिट याचिका को खारिज करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश से संबंधित एक प्रश्न पर परमेश्वर ने कहा कि एसआईटी अपनी रिपोर्ट में इस पहलू पर विचार कर सकती है। सामाजिक कार्यकर्ता महेश शेट्टी थिमारोडी के खिलाफ कार्रवाई में देरी पर, परमेश्वर ने कहा, ''देखते हैं अदालत में क्या होता है। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी या पुलिस कानून के मुताबिक उन्हें गिरफ्तार करेगी। सरकार इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी या निर्देश नहीं देगी। पुलिस अपनी मर्जी के मुताबिक कार्रवाई करेगी।'' कहा जाता है कि थिमारोडी उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने धर्मस्थल के खिलाफ आरोपों के मामले में शिकायतकर्ता चिन्नैया का समर्थन किया था। वह 2012 में एक कॉलेज जाने वाली लड़की से जुड़े बलात्कार और हत्या के मामले में न्याय की मांग से संबद्ध अभियान का नेतृत्व भी कर रहे थे। दरअसल पुलिस रिपोर्ट में थिमारोडी के खिलाफ कई मामलों का हवाला दिया गया, जिनमें गैरकानूनी रूप से इकट्ठा होना, दंगा, हमला, आपराधिक धमकी, पुलिस के आदेशों की अवज्ञा, झूठी सूचना फैलाना और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत उल्लंघन शामिल थे।

# 'हिंदी राष्ट्र की एकता और सहज अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यलहंका क्षेत्रीय कार्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का समापन 29 सितम्बर को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-प्रथम स्वगता राय ने की।

जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अपर केंद्रीय आयुक्त (सेवानिवृत्त) के. नारायणा के साथ मंचासीन क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त द्वितीय कुमार राहुल एवं सहायक आयुक्त एवं राजभाषा अधिकारी सुश्री पूजा सिंह शामिल रहीं।

मुख्य अतिथि के. नारायण ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी राष्ट्र की एकता और सहज अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे कार्यालयीन कार्य में हिंदी के प्रयोग को और अधिक बढ़ावा दें। स्वगता राय ने आधिकारिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजनों का विशेष महत्व है। उन्होंने हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। संचालन वरिष्ठ अनुवादन धनजी कुमार ने किया। इस अवसर पर कार्यरत कर्मचारियों के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

# ठेकेदार संघ के आरोपों पर भाजपा के आर अशोक ने सिद्दरामय्या से इस्तीफे की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता आर अशोक ने मंगलवार को राज्य ठेकेदार संघ द्वारा कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोपों के मद्देनजर राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से तत्काल इस्तीफे की मांग की। अशोक ने सिद्दरामय्या सरकार को 80 प्रतिशत कमीशन लेने वाली सरकार बताते हुए कहा कि कर्नाटक अब इस स्पष्ट रूप से भ्रष्ट कांग्रेस सरकार को और सहन नहीं कर सकता।

कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ (केएससीए) ने पिछले सप्ताह सिद्दरामय्या को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि पहले भाजपा शासन के मुकाबले कांग्रेस सरकार में कई विभागों में भुगतान को अनुमति देने के लिए 'कमीशन दोगुना' हो गया है। संघ ने राज्य सरकार पर ठेकेदारों के लंबित बकाया भुगतानों को लगभग दो वर्षों तक जारी नहीं करने का आरोप भी लगाया।

ठेकेदार संघ के '40 प्रतिशत कमीशन' के आरोप ने राज्य की राजनीति को हिलाकर रख दिया था और यह 2023 विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के लिए भाजपा से सत्ता छीनने का एक प्रमुख मुद्दा बन गया था।

अशोक ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, कर्नाटक के ठेकेदारों ने कांग्रेस के भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया! विपक्ष में रहते हुए सिद्दरामय्या और डी के शिवकुमार (उप मुख्यमंत्री) 40 प्रतिशत कमीशन के बारे में चिल्लाते थे।

आज उनके शासन में ठेकेदारों ने खुद खुलासा किया है कि अब यह दर दोगुनी हो गई है। कर्नाटक सरकार अब 80 प्रतिशत कमीशन लेने वाली सरकार बन चुकी है।

उन्होंने पूछा, जब राज्य की प्रतिष्ठा को धूमिल किया जा रहा है तो मुख्यमंत्री चुप क्यों हैं? बिदादी टाउनशिप जैसी परियोजनाओं का इस्तेमाल अवैध रियल इस्टेट सौदों और किसानों की उपजाऊ भूमि को हड़पने के बहाने के रूप में क्यों किया जा रहा है? उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि मंत्री आरोपों को नकारने के लिए आगे क्यों नहीं आ रहे हैं।

अशोक ने पोस्ट किया, यह विश्वासघात की पराकाष्ठा है। पारदर्शिता के बजाय कांग्रेस ने उत्पीड़न, लूट और चोरी-छिपे भ्रष्टाचार को अंजाम दिया है। अगर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या में जरा भी मर्यादा बची है तो उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कलबुर्गी और बीदर जिले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया। इस मौके पर कलबुर्गी जिले के प्रभारी मंत्री प्रियांक खरगे भी साथ में रहे। बाद में कलबुर्गी में एक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए समीक्षा बैठक में भाग लिया।

# सामासिक संस्कृति से हिंदी का विकास संभव : कूर्मा राव

बेंगलूरु। सामासिक संस्कृति से सभी भाषाओं और हिंदी का विकास संभव है। भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना सभी भाषाओं के विकास में एक क्रांतिकारी पहल है यह बात कॉफ़ी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव कूर्मा राव एम, आईएएस ने कॉफ़ी बोर्ड में आयोजित हिंदी माह राजभाषा सद्भावना उत्सव के समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में कही। इस माह की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विभागीय अनुवाद अधिकारी डॉ अनुश्री पी एस ने कहा कि हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताएं जैसे समाचार वाचन, श्रुतलेखन आदि आयोजित की गई। सभी उप कार्यालयों के लिए आभासी माध्यम से हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सहित सभी गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। विभागीय उप निदेशक (राजभाषा) डॉ धीरज कुमार मिश्र ने अपने संबोधन में हिंदी दिवस के महत्व के साथ सभी भाषाओं के परस्पर संबंध को रेखांकित किया। उन्होंने हिन्दी को वैश्विक भाषा बताते हुए सभी भाषाओं के महत्व को प्रतिपादित किया। इस अवसर पर मंच पर उप निदेशक (लेखा) तरुण शर्मा, उप निदेशक (प्रशासन) अजीत कुमार राउत उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कनिष्ठ अनुवादक अधिकारी सी मादप्पा ने किया। वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी उषा ने सरस्वती वंदना की।

## प्रज्ज्वल ने बलात्कार के मामले में दोषसिद्धि को अदालत में चुनौती दी

बेंगलूरु। जनता दल (एस) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने बलात्कार के एक मामले में अपनी दोषसिद्धि के खिलाफ कर्नाटक उच्च न्यायालय में अपील दायर की है। पिछले महीने रेवन्ना को दोषी ठहराने वाली एक विशेष अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज, यौन शोषण और बलात्कार के चार मामलों में से एक में उन्हें शेष जीवन के कारावास की सजा सुनाई थी और जुर्माना भी लगाया था।

## आयुधपूजा महोत्सव

1 अक्टूबर को पूरे कर्नाटक राज्य में आयुधपूजा महोत्सव को लेकर बाजार में काफी हलचल है। जहां देखो वहां लोग पूजा का सामान खरीद रहे हैं। कहीं बलि के लिए सफेद कद्दू ले रहे हैं तो कहीं गाड़ी पूजा के लिए नीबू, मिर्च, फल-फूल और मिठाई खरीद रहे हैं। पूजा को लेकर सभी में काफी उत्साह है। बेंगलूरु के केआर मार्केट में भीड़ देखते ही बनती है। विधानसभा में सभी कर्मचारी अपने अपने कार्यालय को सजा रहे हैं। सामूहिक रूप से वाहनों की पूजा की जा रही है। सरकारी कार्यालय में 1 अक्टूबर आयुध पूजा के चलते अवकाश रहने के कारण मंगलवार को ही सभी कार्यालयों में पूजा होती दिखी।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: 18-CWS-MYSS-2025-26 दिनांक: 26.09.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

| कार्य का नाम | अनुमानित लागत |
|---|---|
| आईसीएफ/एलएचबी कोचों में बर्थ/सीटों, सुरक्षा रेलिंग की स्ट्रिपिंग, अनलोडिंग, परिवहन, लोडिंग और फिटिंग करना। | रु. 2,25,86,283.12 |

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 18.10.2025, 11:30 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

उप मुख्य कार्यशाला व्यवस्थापक/केंद्र कार्यशाला मैसूरु
PUB/520/AAF/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)
अनुसंधान भवन, 2, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001

विज्ञापन सं. 05/2025

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), सीएसआईआर- सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर- इम्टैक), चंडीगढ़ के निदेशक के पद हेतु सीएसआईआर में लागू भत्तों सहित पे-मैट्रिक्स के लेवल 15 (रु. 1,82,200-2,24,100) में आवेदन/नामांकन आमंत्रित करता है।

पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्तों के लिए, कृपया सीएसआईआर की वेबसाइट www.csir.res.in पर विस्तृत/पूर्ण विज्ञापन संख्या 05/2025 देखें। आवेदन/नामांकन पूर्ण बायोडाटा और प्रकाशनों/पेटेंटों आदि की सूची सहित ई-मेल के माध्यम से ई-मेल आईडी drc.hqrs@csir.res.in पर अथवा डायरेक्टर रिक्रूटमेंट सेल, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), अनुसंधान भवन, 2, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 को डाक द्वारा दिनांक 30/10/2025 से पहले भेजें।

cbc36202/12/0018/2526

# हर नागरिक तक सुशासन, सुविधाएं और विकास की पहुंच का सशक्त माध्यम है सेवा पखवाड़ा : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार गांव और गरीब के उत्थान, किसान एवं महिला के सम्मान के लिए कार्य कर रही है। इसी दिशा में सेवा पखवाड़ा प्रदेश के हर नागरिक तक सुशासन, सुविधाएं और विकास की पहुंच सुनिश्चित करने के साथ ही जनसेवा के ध्येय की प्राप्ति का एक सशक्त माध्यम है। शर्मा मंगलवार को ब्यावर के जैतारण में सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से संचालित सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री जी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को मूर्त रूप देने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए इस सेवा पखवाड़े के अंतर्गत प्रदेशभर में ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों में रजिस्ट्री, पट्टे, गिरदावरी, कुर्रेजात, विभाजन, नामांतरण, प्रमाण पत्र और अन्य विभिन्न कार्य किए जाने के साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं से भी पात्र लोगों को जोड़ा जा रहा है। वहीं शहरी सेवा शिविरों में सड़कों, नालियों और सीवर लाइन की मरम्मत, सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण आदि के साथ ही जन्म-मृत्यु या विवाह पंजीयन, पट्टे, एनओसी, ट्रेड लाइसेंस, नामांतरण, भवन स्वीकृति, टैक्स जमा, सीवर कनेक्शन, ईडब्लूएस प्रमाण पत्र आदि कार्य किए जा रहे हैं।

शर्मा ने सेवा शिविरों की प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि इस पखवाड़े में अब तक 4 हजार 121 ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए गए हैं, जिनमें करीब 53 हजार नामांतरण और करीब 54 हजार शुद्धिकरण के कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की 82 हजार से अधिक पॉलिसी के वितरण के साथ ही एनएफएसए पोर्टल पर लंबित 78 हजार से अधिक प्रकरणों को निस्तारित किया गया है। इसी तरह स्वामित्व योजना के तहत 64 हजार से अधिक पट्टे और मंगला पशु बीमा योजना के अंतर्गत 85 हजार से ज्यादा पशु बीमा वितरित किए गए। इसी तरह शहरी सेवा शिविरों में 8 हजार से ज्यादा पट्टे वितरित किए गए और 42 हजार से ज्यादा प्रमाणपत्र जारी किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार प्रदेश के विकास के लिए ऐतिहासिक कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गत 25 सितंबर को प्रधानमंत्री जी ने बांसवाड़ा में न्यूक्लियर पावर प्लांट की नींव रखी है। यह प्लांट राजस्थान के साथ ही देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया है। प्रदेश के 22 जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली मिलनी शुरू हो चुकी है। इसी तरह रामजल सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते को मूर्त रूप दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर किए गए जीएसटी सुधारों का सीधा लाभ गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, व्यापारी सहित समाज के सभी वर्गों को मिल रहा है। दैनिक उपयोग की अधिकांश वस्तुएं अब सस्ती हो गई हैं और आमजन को बड़ी राहत मिली है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने इन डेढ़ वर्षों में जो काम डेढ़ साल में कर दिखाया, वह काम पूर्ववर्ती सरकार पूरे 5 साल में भी नहीं कर पाई। हमारी सरकार में प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरियों के भरपूर अवसर मिल रहे हैं। हमने अब तक लगभग 91 हजार नियुक्तियां दी हैं तथा लगभग 1 लाख 54 हजार पदों पर नियुक्ति देने की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में प्राप्त 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से 3 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत मार्च में की जा चुकी है तथा अब 4 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट धरातल पर उतरने के लिए तैयार हैं। इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से युवाओं को निजी क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सामाजिक सरोकार के अनेक काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान को जन-जन का अभियान बनाया। साथ ही, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिका लिंगानुपात में सुधार तथा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने कहा कि मोदी ने देशभर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान चलाया जिससे आमजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता आई। हमारी सरकार ने इस अभियान से प्रेरणा लेकर पांच वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा दो वर्षों में लगभग 19 करोड़ पौधे लगाए भी जा चुके हैं। शर्मा ने कहा कि जैतारण की यह गौरवशाली भूमि आस्था और असीम पराक्रम की भूमि है। यह भूमि वीर जैता व कूंपा से लेकर भक्त शिरोमणि मीराबाई एवं राम स्नेही संप्रदाय के संत दरियाव जी महाराज, जैन संत श्रमण विभूति मिश्रीमल जी महाराज तथा संत रूपमुनि रजत जी की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि सेवा के संकल्प के साथ जैतारण से 362 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास हुआ है।

## हिस्ट्रीशीटर हेमराज सुमन गैंग धराशायी, एक महिला सहित 13 गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झालावाड़ । संगठित अपराधों पर नकेल कसने के लिए चली मुहिम में झालावाड़ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। महीनों से निगरानी में चल रहे हेमराज सुमन गैंग का भंडाफोड़ करते हुए 1 महिला सहित 13 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरोह बीमा धोखाधड़ी से लेकर हनीट्रैप, जबरन वसूली और अवैध कारोबार तक में सक्रिय था।

गुप्त सूचना से खुला जाल पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 24 सितम्बर को आसुचना अधिकारी कोतवाली ने एक गोपनीय परिवाद पेश किया था। जिसके अनुसार कुछ आपराधिक व्यक्तियों द्वारा गिरोह बना रखा है, जो ट्रेक्टर व अन्य बडे वाहनो को फाईनेंस पर उठाकर कुछ दिनों बाद ही खुर्द बुर्द करते हुए झूठे चोरी के मुकदमे दर्ज करवाकर लाखो में बीमा राशि उठा लेते है। थाना सारोला का हिस्ट्रीशीटर हेमराज सुमन अपने कुछ साथियो व कुछ यूपी के बदमाश लडको के साथ मिलकर उक्त अवैध काम कर रहे है। पुलिस ने तुरंत रणनीति बनाकर कार्रवाई का प्लान तैयार किया। एसपी कुमार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा के निर्देशन में करीब 20 टीमों ने एक साथ झालावाड़, झालरापाटन, सारोला और कोटा में दबिश दी और मुख्य सरगना हेमराज सुमन और उसके साथियों को रंगे हाथों पकड़ा गया।

हेमराज की स्विफ्ट डिजायर कार की तलाशी में डिक्की से पुलिस वर्दी, पुलिस ड्रेस के जूते, लकडी-पाईप व अन्य महिला का बलात्कार के आशय का टाईप शुदा परिवाद और दादिया स्थित मकान की तलाशी में कई बैको के पासबुक-चेकबुक, कई गाड़ियों के मूल दस्तावेज, सम्पति खरीद-फरोख्त सम्बन्धी स्टाम्प, इकरारनामा आदि और 06 अलग अलग वाहनो की नम्बर प्लेटें बरामद किये गये।

पुलिस ने मामले में एक महिला सहित 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनमे हिस्ट्रीशीटर हेमराज सुमन (44), मुरारी लाल सुमन (26) और सीताराम मीणा निवासी सारोला, सीमा मीणा निवासी अकलेरा, रियाज (37), सोहेल खान उर्फ घसीट (30), मोहम्मद फारूख खान उर्फ मोनू (33) निवासी झालरापाटन, योगेन्द्र सिह (44) निवासी सारोला हाल कोतवाली झालावाड, लेखराज भील (20) निवासी मण्डावर, पुरूषोतम माली (45) निवासी सारोला हाल आर के पुरम कोटा, अमन (20) व तोसिफ (24) निवासी बोरखेडा कोटा तथा कालू उर्फ कमल मीणा (34) निवासी मोठपुर जिला बारां शामिल है।

इस संगठित गिरोह में यूपी व अन्य स्थानों के भी 20-25 से अधिक बदमाश जुडे होने की आशंका है। गिरफ्तार हेमराज सुमन, पुरूषोत्तम माली, लेखराज भील, रियाज पठान, सोहेल खान, कालू मीणा और सीमा मीणा के विरुद्ध करीब पांच दर्जन गंभीर प्रकृति के आपराधिक मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

अब तक की जांच में झालावाड, बारां सहित राजस्थान व मध्यप्रदेश से सैकडों की संख्या में ट्रेक्टर खुर्द बुर्द करने की जानकारी मिली है जिसके संबंध में अनुसंधान जारी है। गैंग लीडर हेमराज सुमन पूर्व में कईं थानों पर हनीट्रेप के मामलों में महिलाओं के साथ गिरफ्तार हो चुका है। हेमराज के घर की तलाशी में भी कईं महिलाओं के सगाई और शादी से संबिधित इकरारनामें बरामद हुए है तथा इस मामले में डिटेन के समय कार की डिक्की में अन्य महिला का बलात्कार के आशय का परिवाद भी बरामद हुआ है।

इस संयुक्त कार्रवाई में वृत्ताधिकारी वृत्त झालावाड़, भवानीमंडी के नेतृत्व में थाना कोतवाली, झालरापाटन, रटलाई, पगारिया, सारोला और साइबर टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस उपाधीक्षक वृत्त झालावाड हर्षराज सिंह खरेडा व पुलिस उप अधीक्षक वृत्त भवानीमण्डी प्रेमकुमार के नेतृत्व में स्पेशल इवेस्टीगेशन टीम का गठन किया गया है, जो प्रकरण के संबंध में गहनता से अनुसंधान कर रही है।

## जयपुर में 'राष्ट्र निर्माण में पूर्व सैनिकों के योगदान' विषय पर संगोष्ठी

जयपुर। जयपुर स्थित सैन्य अड्डे में मंगलवार को 'राष्ट्र निर्माण में पूर्व सैनिकों के योगदान' विषय पर संगोष्ठी हुई जिसमें पूर्व सैनिकों और सेवारत अधिकारियों ने भाग लिया। आधिकारिक बयान के अनुसार, सप्त शक्ति कमान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व सैनिक वक्ता – मेजर जनरल आलोक राज गोयल, ब्रिगेडियर के. बीरेन्द्र सिंह और ब्रिगेडियर करण सिंह राठौर ने विचार रखे। उन्होंने एक मजबूत और सुरक्षित भारत के निर्माण में पूर्व सैनिकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे नागरिक-सैन्य एजेंसियों के बीच तालमेल स्थापित करने, अर्धसैनिक बलों के प्रशिक्षण तथा आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों में अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से अमूल्य योगदान दे सकते हैं।

इसके साथ ही वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि पूर्व सैनिक अपनी विविध व्यावसायिक क्षमताओं व कौशल का उपयोग राष्ट्रीय विकास पहलों को गति देने में कर सकते हैं। उन्होंने इस दिशा में सरकारी पहलों और सहयोगात्मक प्रयासों को भी महत्वपूर्ण बताया। जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन के अनुसार इसके समापन सत्र में सप्त शक्ति कमान के सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने सभी सैनिकों से कर्तव्य के प्रति अपनी निष्ठा में दृढ़ रहने, भारतीय सशस्त्र बलों की गौरवशाली परंपराओं को बनाए रखने और प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्र की सेवा करते रहने का आग्रह किया।

उन्होंने पूर्व सैनिकों के संगठित 'पुनरकौशल' (रिस्किलिंग) के महत्व पर भी ज़ोर दिया, ताकि वे राष्ट्रीय आपदाओं, अग्नि आपदाओं और आकस्मिक परिस्थितियों में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकें।

## 'कन्या ही देवी का स्वरूप' : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पूरे विधि-विधान के साथ कन्या पूजन कर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उपमुख्यमंत्री ने कच्ची बस्ती की 101 कन्याओं का पूजन किया, उनके पैर धोए, तिलक लगाकर आरती की और उन्हें अपने हाथों से भोजन कराकर माँ दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

दिया कुमारी ने कहा कि कन्या देवी का ही स्वरूप होती है और नवरात्र के दौरान माँ दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा का यही उद्देश्य होता है कि समाज में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे। उन्होंने कन्याओं से बातचीत कर उनका हालचाल भी जाना और उन्हें उपहार भेंट किए।उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान चलाया है, जिसको लेकर बच्चियों में काफ़ी उत्साह देखने को मिल रहा है। बच्चिया भी आगे बढ़ने के साथ पढ़ना चाहती है। उन्होंने कहा की समाज में लगातार बदलाव भी आ रहा है , वही उन्होंने कहा की बेटे और बेटियों दोनों को समान अवसर देना चाहिए। इससे हमारी बेटियां आगे बढ़ेगी और आत्मनिर्भर बनेगी ।

## भजनलाल शर्मा ने शारदीय नवरात्र पर कन्या पूजन किया पालन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को ब्यावर के जैतारण में श्रीराम चौक स्थित भगवान श्रीराम की विशालकाय प्रतिमा के दर्शन किए एवं पूजन किया। इस दौरान शर्मा ने शारदीय नवरात्र की दुर्गाष्टमी के अवसर पर मां दुर्गा स्वरूपा कन्याओं का भी पूजन किया और उनसे आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने कन्याओं को श्रद्धापूर्वक चुनरी ओढ़ाई और पूजन किया। इसके बाद उन्होंने परिसर में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत सहित सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## हिंदी पखवाड़ा समारोह में कार्मिकों का सम्मान : दूरदर्शन केंद्र के कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री जोराराम कुमावत

जयपुर। दूरदर्शन केंद्र जयपुर में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि हिंदी भाषा हम सभी को एकता के सूत्र में बांधती है। हिंदी भाषा का सरकारी कामकाज में प्रोत्साहन और प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है, यह खुशी की बात है। उन्होंने हिंदी प्रतियोगिताओं में विजेता रहे कार्मिकों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं कार्यालय प्रमुख सतीश देपाल ने केन्द्र का हिंदी राजभाषा प्रगति

विवरण प्रस्तुत किया और केंद्र की राजभाषा उपलब्धियां बताई। कार्यक्रम प्रमुख सीमा विजय ने दूरदर्शन के कार्यक्रमों में बढ़ते हिंदी के प्रयोग पर चर्चा की। समाचार प्रमुख मंजू मीणा ने इस कार्यक्रम में कहा कि हिंदी की विकास यात्रा में संचार माध्यमों विशेषकर दूरदर्शन और आकाशवाणी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राजभाषा अधिकारी डॉ वासुदेव शर्मा ने राजभाषा की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी साझा की।

इसके बाद अतिथियों ने हिंदी प्रतियोगिताओं में विजेता रहे कार्मिकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी वीरेन्द्र कुमार परिहार ने किया। समारोह के बाद मंत्री जोराराम कुमावत ने एक पेड़ मां के नाम का पौधारोपण किया । इस अवसर पर निदेशक अभियांत्रिकी निलेश खंडेलवाल, उपनिदेशक अभियांत्रिकी पंकज भूटानी, सहायक निदेशक कार्यक्रम राकेश जैन, सहायक निदेशक अभियांत्रिकी मूलाराम चौधरी, सहायक निदेशक अभियांत्रिकी अजय कुमार रोहिल्ला एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी रंगलाल बैरवा उपस्थित रहे।

## प्रेम विवाह विवाद : झालामंड में दो गुट भिड़े, पत्थरों व लाठियों से हमला

जोधपुर। कुड़ी भगतासनी थाना क्षेत्र के झालामंड में प्रेम विवाह को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों ने धारदार हथियारों और पत्थरों से एक-दूसरे पर हमला किया, जिसमें चार लोग घायल हो गए। घायलों को जोधपुर के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से दो को छुट्टी दे दी गई, जबकि दो का उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार, मामला प्रेम विवाह से जुड़ा है। लड़की के परिजनों और विरोधी पक्ष के लोगों के बीच झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों ने हिंसक तरीके अपनाए।

# गुरु अमर संयम अमृत महोत्सव में होगी धार्मिकता की वर्षा : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुजराती जैन संघ गांधीनगर में विराजित पंकजमुनिजी व डॉ. वरुणमुनिजी के सान्निध्य में अमृत महोत्सव, गुरु आत्म जन्म जयंती समारोह, गुरु शुक्ल पावन जन्मोत्सव, गुरु पद्म पुण्य रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है जिसका मुख्य कार्यक्रम 5 अक्टूबर को सरदार पटेल भवन में होगा। मंगलवार को वरुणमुनिजी ने बताया कि इस अमृत वर्ष महोत्सव के दौरान महान गुरुओं की शिक्षाओं और जीवन को सफल बनाने वाले उद्देश्यों के अलावा हमें जीवन परीक्षण और उज्ज्वल मार्ग पर चलने का सौभाग्य प्राप्त होगा। मुनिश्री ने आयम्बिल नवपद ओली आराधना के पावन अवसर पर श्रीपाल चरित्र के माध्यम से बताया कि प्रतिदिन आयंबिल तप साधना करते रहने से ही द्वारका नगरी की रक्षा होती रही और तब तक द्वारिका नगरी का विनाश नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि शासन रक्षक, विघ्न नाशक, संकट मोचक, आत्म हितकारी, कल्याणकारी, मंगलकारी और अनन्त उपकारी ऐसे आसोज मास की शाश्वत नवपद जी आयंबिल ओली तप की यह साधना आराधना है।

उन्होंने कहा कि इस ओली जी की आराधना, विशेष साधना के साथ करने से साधक की। आत्मा में अपार शांति का अनुभव होता है। रूपेशमुनिजी ने श्रीपाल चरित्र का वाचन करते हुए द्वितीय दिवस परनवकार महामंत्र के द्वितीय पद सिद्ध पद की विधिवत साधना संपन्न की। कार्यक्रम का संचालन राजेश मेहता ने किया। अंत में उपप्रवर्तक पंकज मुनिजी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

# दासरहल्ली दुर्गा पांडाल में माता जागरण में झूमे माता के भक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के नवयुवक मंगल दल समिति, दासरहल्ली के तत्वावधान में 17 वर्षों से दशहरा महोत्सव का आयोजन हो रहा है। इस वर्ष भी दासरहल्ली के पटेल बेंद्रेगौड़ा काम्प्लेक्स में सोमवार को मां भगवती की प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ तथा माता के नेत्रों का विलोचन किया गया। मंगलवार को दासरहल्ली में आयोजित माता रानी के भव्य जागरण में उत्तर प्रदेश के भजन गायक अपनी प्रस्तुति दी। जागरण में बड़ी संख्या में माता के भक्तों ने उपस्थित दर्ज कराई।

इस आयोजन में अतिथि के रूप में अनेक राजनेता व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। समिति के अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, सचिव दीनदयाल यादव, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र दुबे एवं कोषाध्यक्ष राजू यादव व्यवस्थाओं में जुटे हैं। बुधवार को नवमी पूजन के बाद कुमारी कन्या पूजन तथा दशमी को माता प्रतिमा का विसर्जन होगा।

# सोसियो कल्चरल एसोसिएशन, इंदिरानगर ने धूमधाम से मनाया दुर्गापूजा अष्टमी उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इंदिरानगर स्थित सोशियो कल्चरल एसोसिएशन के दुर्गापूजा महोत्सव में अष्टमी पूजा बड़ी श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुई। सुबह से ही पंडाल में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी और माता दुर्गा के दर्शन के लिए भक्ति-भाव से लोग जुटे। कुमारी पूजा और संधि पूजा विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। देवी के समक्ष अर्पित पुष्पांजलि में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और मां दुर्गा से आशीर्वाद प्राप्त किया। ढाक की गूंज, शंखनाद और 'जय माता दी' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

अष्टमी के अवसर पर आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिनमें नृत्य, गीत और नाट्य प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।इस आयोजन का संचालन अध्यक्ष नीलाद्रि मुखर्जी तथा कार्यकारिणी समिति के सदस्य मौशुमी मित्रा, सोमा गुहा, वर्षा चटर्जी, जयश्री चक्रवर्ती, स्मिता बिस्वास, मेघा मजूमदार आदि के परिश्रम से शानदार रहा। समिति ने बताया कि आने वाले दिनों में नवमी और विजयादशमी पर भी विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

# कर्मवाद का अटल सिद्धांत, जो करोगे वो भरोगे : आचार्य विमलसागरसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में मंगलवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में नवपद ओली के दूसरे दिन अरिहंत और सिद्ध के स्वरूप और कर्म के सिद्धांत पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि जैनदर्शन का कर्मवाद जीवन को पूरी सावधानी और सजगता से जीने की प्रेरणा देता है। कर्मवाद का सिद्धांत सभी के प्रति सही और एक समान न्याय की व्यवस्था है। स्वयं भगवान भी इससे अछूते नहीं हैं। यदि गलत कार्य कर हम बच भी जाते हैं तो पुण्य के इस खेल पर बहुत इतराने जैसा नहीं है क्योंकि पुण्य की समृद्धि देर-सबेर खत्म होनी है। आने वाले जन्म की बातें छोड़िये, गलत किए हुए की सजा इसी जन्म में भुगतनी पड़ सकती है। कार्मिक फिलोसॉफी का यह तार्किक स्वरूप है। कर्मवाद की व्यवस्था में राजा हो या रंक, सेठ हो या नौकर, पुरुष हो या महिला, साधु हो या शैतान, कोई बच नहीं सकता। एक न एक दिन उचित समय पर सबका हिसाब चुकता होगा। वहां कोई सिफारिश, संपत्ति, शक्ति या सत्ता की गर्मी काम नहीं लगती। पूरी तरह पककर एक दिन कर्म का प्रतिफल जिम्मेदार व्यक्ति तक बराबर पहुंचता है। जो जैसा करता है, वैसा भुगतता है। जो हम बोते हैं, वही हम पाते हैं। जैनाचार्य ने आगे कहा कि अपने एक पिछले जन्म में तीर्थंकर महावीर ने क्रोध और अभिमान के वशीभूत होकर अपने एक सेवक के कान में उबलता हुआ शीशा डलवा दिया था। उसकी कठोर सजा महावीर को तीर्थंकर काल में भुगतनी पड़ी, जब उनके कानों में एक ग्वाले ने कील ठोक दी। भगवान ऋषभदेव ने अपने पिछले जन्म में बैलों के मुंह बांधकर उन्हें भूखा-प्यासा रखा, चारा-पानी ग्रहण नहीं करने दिया। उसके दुष्परिणाम स्वरूप ऋषभदेव को 400 दिन तक आहार से वंचित रहना पड़ा।ङ्कजैनाचार्य ने बताया कि कर्मवाद के सिद्धांतों को समझकर गलत कार्यों से बचना चाहिए। गलत कार्य करने वाला कानून के शिकंजे में देर से आएं या बच जाएं, अपने दुर्भाग्य के शिकंजे से कभी बच नहीं सकता। पाप-अपराध करके आप महावीर, महादेव, राम, कृष्ण, बुद्ध, अल्लाह या ईसु, किसी को प्रसन्न नहीं कर सकते। जो गलत का साथ देते हैं, वे भी कभी न कभी अवश्यमेव फंसते हैं। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि आयंबिल का तप महामंगलकारी होता है। जैन परंपरा में इसे विघ्न निवारक उपासना कहा जाता है।

नवपद की शुद्ध साधना के बिना किसी भी जीव का आध्यात्मिक विकास नहीं होता।ङ्कआयंबिल तप के संयोजक रतनचंद गांधी मेहता ने बताया कि राजस्थान अरठवाड़ा निवासी फैंसीबाई प्रकाशमल शाह परिवार ने नौ दिन के आयंबिल तप का आयोजन किया है। गदग में पहली बार तीन सौ श्रद्धालु कठिन आयंबिल की तपस्या कर रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## प्रिंसेस श्राइन में सजा मां दुर्गा का दरबार

बेंगलूरु में प्रवासी बिहारियों की सबसे पुरानी संस्था सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में प्रिंसेस श्राइन सभागार में चल रहे दशहरा महोत्सव में मां भगवती, भगवान गणेश, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती एवं भगवान कार्तिकेय की विशेष झांकी सजाई गई। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर माता के दर्शन किए।

# वैशाली दुर्गा पांडाल में मां दुर्गा के दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय वैशाली जनकल्याण समिति के तत्वावधान में सोमवार से बीटीएम लेआउट स्थित तोटदा सिद्धलिंगेश्वरा कम्युनिटी हॉल में नवरात्रि दशहरा महोत्सव के तहत दुर्गा महासप्तमी के दिन प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा की गई। सुबह से ही पूजा पंडाल में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। पंडित जितेन्द्र तिवारी द्वारा पूजा की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण और पारंपरिक विधि-विधान के साथ हुई। कुमकुम अभिषेक, छप्पन भोग प्रसाद और मंगला आरती मुख्य आकर्षण थे।

इस अवसर पर बिहार से आई भक्ति गायक मंडली टीम सोनू सिंह ने माता रानी की महिमा का वर्णन करते हुए मधुर भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। नवरात्रि के शेष दिनों में महानवमी एवं विजयादशमी के अवसर पर भी विशेष पूजा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिसमें हवन, भजन संध्या, प्रसाद वितरण और बच्चों के लिए रंगारंग प्रस्तुतियां शामिल हैं। समिति के अध्यक्ष राजकुमार शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पूजा में सहयोग किया।

# स्वास्तिक सेवा संघ ने की सामूहिक कन्या पूजा व किया हवन-अन्नदान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के स्वास्तिक सेवा संघ द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी क्लासिपाल्यम दूसरे क्रॉस स्थित संघ कार्यालय पर महाष्टमी के अवसर पर सुबह माँ दुर्गा का विधिवत पूजन किया गया। इस अवसर पर संघ के चेयरमैन सतीश मित्तल व महेश मित्तल के साथ अन्य सदस्यों ने पूजन कर हवन में आहुति देकर माँ दुर्गा से सुखमय जीवन की मनोकामना की। हवन पश्चात सामूहिक कन्या पूजन का आयोजन किया गया। संघ के सदस्यों ने सभी कन्याओं को श्रद्धापूर्वक भोजन कराया। भोज के बाद सभी कन्याओं के चरण धोकर उन्हें चुंदड़ी पहनाई तथा पोशाक व दक्षिणा भेंट कर महाष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया ।

इस अवसर पर आयोजित सार्वजनिक अन्नदान में उपचेयरमैन श्याम बंसल, विनोद अग्रवाल, सोमनाथ बंसल, नरेश जैन, जयस गुप्ता, पवन बंसल, गजेन्द्र अग्रवाल, अजय खेमका, शैलेंद्र मित्तल, गौरव जिंदल, संदीप जोशी, बिमल सरावगी सहित बड़ी संख्या में सदस्यों ने सेवा दी।

# आरटी नगर विनायक कल्चरल सेन्टर में सज गई मां दुर्गा की झांकी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद व राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आरटी नगर स्थित विनायक कल्चरल सेन्टर में आयोजित सार्वजनिक दशहरा महोत्सव में सोमवार को मां भगवती का लोचन विमोचन किया गया। गणेश, लक्ष्मी, सरस्वती, कार्तिकेय एवं मां भगवती दुर्गा की विशेष पूजा की गई। आचार्य रामानंद चौधरी, आचार्य विनोद झा, पंडित राजगुरु, जयशंकर मिश्रा ,उमेश पांडे ,राहुल पांडे, सोनू पांडे सहित अन्य विधिकारकों ने वैदिक मंत्रों द्वारा पूजा के अध्यक्ष उदय कुमार व उनकी धर्मपत्नी द्वारा विधि विधान से पूजा संपन्न करवाई। मंगलवार को कालरात्रि की पूजा तथा रात्रि में महा अष्टमी की पूजा धूमधाम से हुई। साउथ अफ्रीका के पूर्व राजदूत रामचंद्रन कल्याण सुंदरम अपने परिवार सहित दुर्गा दर्शन के लिए पांडाल पधारें। परिषद के संयोजक हरिश्चंद्र झा, राजेश्वर सिंह, राम लखन सिंह, रामकिंकर सिंह, मिंटू दुबे, संजय सिंह आदि ने अतिथियों का सम्मान किया। महिला मंडल तथा नव युवक मंडल के सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

# अनन्त उपकारी हैं परमात्मा सिद्ध भगवान: उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने मंगलवार को नवपद आयम्बिल ओली आराधना पर्व के दूसरे दिन नवकार महामंत्र के दूसरे सिद्ध पद पर सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि जहां नाम, धाम और काम नहीं वो अतिशय सुख की पहचान सिद्धावस्था है। जो आठों कर्मों को क्षय करके मुक्ति मोक्ष को प्राप्त कर लिया है, वो सिद्ध परमात्मा के नाम से जाने जाते हैं। सिद्ध अनंत गुणों के भंडार अजर अमर अविनाशी है। मुनिश्री ने कहा कि आराधना अरिहंत, सिद्ध की उपासना आचार्य, उपाध्याय और साधु की तथा साधना ज्ञान, दर्शन, चरित्र और तप की की जाती है। उन्होंने कहा कि हमारे ऊपर सबसे बड़ा उपकार सिद्ध परमात्मा भगवान का है। सिद्ध परमात्मा के अनन्त गुणों का वर्णन जहां अरिहंत भगवान के लिए भी अनुभवगम्य है तो हमारे जैसे सामान्य साधारण इंसान के लिए सिद्ध परमात्मा के संपूर्ण असीम, अलौकिक दिव्य गुणों का बखान हम भी करने में पूर्ण रुपेण असमर्थ हैं।ङ्कश्री शालिभद्र मुनि जी ने भजन के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। प्रारंभ में साध्वी समृद्धिश्रीजी ने श्रीपाल चरित्र का वाचन करते हुए कहा कि सुख-दुख दिन-रात की तरह परिवर्तनशील है। कर्म के आगे किसी भी की नहीं चलती है। कल का राजा आज फकीर बन जाता है और कल का रोड़पति आज करोड़पति बन जाता है यह सब कर्मों की ही माया है। उन्होंने कहा कि धर्म पर सच्ची श्रद्धा रखें, क्योंकि बाकी के संसार के सहारे सब यहीं छूट जाते हैं लेकिन धर्म का सहारा हमेशा हमारे साथ रहता है। संघ के महामंत्री महावीर मेहता ने उपाध्यायश्री पुष्करमुनि की 116 वीं जयंती के आयोजन की जानकारी दी।

# सुसवाणी धाम पर कन्यापूजन एवं हवन अनुष्ठान पूर्णाहुति संपन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । होसूर रोड़ स्थित सुसवाणी माता धाम में नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत अष्टमी के दिन कन्यापूजन एवं भैरुजी पूजन संपन्न हुआ। प्रातः तीर्थ निर्माता भवरीबाई घेवरचंद सुराणा परिवार की डॉ. अर्चना सुराणा, सुराणा संघ के पूर्व अध्यक्ष सरदारमल-सुमन सुराणा, अध्यक्ष महीपाल-मनीषा सुराणा एवं अन्य श्रद्धालुओं ने धाम में प्रतिष्ठित पांच देवी सुसवाणी माता, पद्मावती माता, अंबे माता, सच्चियाय माता व लक्ष्मी माता की रजत प्रतिमाओं का प्रक्षालन कर चुंदड़ी ओढ़ाकर श्रृंगार सामग्री अर्पित की। मध्याह्न में माताजी एवं महादेव जी वंदित हवन अनुष्ठान में आहुति अर्पित की। मंदिर प्रांगण में सामूहिक कन्या भोज का भी आयोजन किया गया।

# हमें कभी भी दूसरों को दोष नहीं देना चाहिए : साध्वी इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि हमें कभी भी दूसरों को दोष नहीं देना चाहिए। अपने सुख-दुख के कारण हमारे स्वयं के ही कर्म होते हैं। जिनके सभी कर्म नष्ट हो जाते हैं वे सिद्ध कहलाते हैं क्योंकि अब उनके भव भ्रमण का कोई कारण बचा नहीं होता है। कर्म सत्ता के उदय के कारण राजकुमार श्रीपाल को रातोंरात भागना पड़ा और कर्मों ने उन्हें कोढियों के साथ कर दिया।

श्रीपाल के साथ राजकुमारी मैनासुंदरी के भी कर्म उदय आए और दोनों का परिणय संबंध हो गया। दोनों ने इसे कर्मों से लड़ने का अवसर मान कर धैर्य रखा और नवकार मंत्र की शरण ली। उनका विश्वास था कि साथ में हो नवकार तो क्या बिगाड़ेगा संसार। इससे पूर्व प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि मुक्ति कभी भी उपहार में नहीं मिलती है। खूब पुरुषार्थ करना पड़ता है। स्वयं को स्वयं में स्थापित करने वाला ही मोक्ष का पथिक बन सकता है। हम अरिहंत की शरण का महत्त्व समझें क्योंकि वे हमे अशरण का बोध देते हैं। मोह के कारण हम जगह जगह शरण के लिए भटकते हैं। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए आव्हान किया कि संघ में प्रतिदिन आयंबिल होना चाहिए। अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया

# संतोषी माता मंदिर में डांडिया-गरबा की धूम, अष्टमी पूजा आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जय अम्बे मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में मृदुलाबेन जाडेजा के सान्निध्य में बिन्नी मिल रोड स्थित संतोषी मां मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत मंदिर प्रांगण में चल रहे डांडिया व गरबा रास में युवतियों व महिलाओं ने भाग लिया और मां दुर्गा की आराधना की। मंगलवार को पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ मंदिर में महाष्टमी महापूजन हुआ तथा मध्याह्न 3.15 बजे अष्टमी हवन के साथ नवरात्रि महोत्सव की पूर्णाहुति हुई।

शाम को आयोजित महाआरती में संतोषी माता के भक्तों ने उपस्थित होकर संगीतमय ढंग से मां की आरती की। महोत्सव के मौके पर मंदिर की विशेष सजावट की गई तथा विभिन्न देवी देवताओं की प्रतिमाओं का विशेष श्रृंगार किया गया।

बेंगलूरु | बुधवार | 01-10-2025 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## सुविचार

विद्या एक कामधेनु के समान है जो हर मौसम में अमृत प्रदान करती है वह विदेश में एक माता के समान है जो रक्षण एवं हितकारी होती है। इसलिए विधा को एक गुप्त धन कहा गया है।

### दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# .. तो इतना दुस्साहस न करता पाक

कांग्रेस के दिग्गज नेता एवं पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी चिदंबरम ने 26/11 हमलों के बाद पाकिस्तान को सैन्य मोर्चे पर जवाब न दिए जाने के संबंध में जो बयान दिया है, उससे पता चलता है कि पहले विदेशी ताकतें किस हद तक हमारे फैसलों पर असर डालती थीं। अगर उस घटना के बाद पाकिस्तान को सख्त जवाब दिया जाता तो वह इतना दुस्साहस नहीं कर पाता। याद करें, वर्ष 1971 के युद्ध में जब पाकिस्तान की बहुत शर्मनाक हार हुई थी, तब वह कई सालों तक शांत रहा था। यह पड़ोसी देश उस आदतन अपराधी की तरह है, जिसे सीधे रास्ते पर रखने के लिए समय-समय पर सख्त कार्रवाई करनी जरूरी है। पाकिस्तान कोई आतंकी हरकत करे या न करे, उस पर दबाव बनाए रखना चाहिए। 26/11 की घटना ने हमें झकझोर दिया था। मुट्ठीभर आतंकवादियों ने जिस तरह मुंबई शहर में खून-खराबा किया था, उसके बाद तत्कालीन केंद्र सरकार को निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए थी। चिदंबरम के उक्त बयान से यह भी स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान के हर गुनाह को माफ करते हुए अमेरिका हमेशा उसे बचाने आ जाता है। इसने कारगिल युद्ध में भी पाकिस्तान को बचाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया था, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने डंके की चोट पर कहा था कि एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकालेंगे। उस समय पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ रोनी सूरत बनाकर अमेरिका से गुहार लगाने गए थे और उन्हें वहां टीवी पर शिकस्त की खबर मिली थी। वर्ष 1971 में अमेरिका ने सातवां बेड़ा भेजने के नाम पर दबाव बनाना चाहा था, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सामने उसकी एक न चली।

आज अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान की पीठ थपथपाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वे भारत-पाक संघर्ष रुकवाने के झूठे दावे कर 'शांति पुरुष' बनने की कोशिश कर रहे हैं। जब केंद्र सरकार ने उनके दावों को खारिज कर दिया तो वे टैरिफ थोप रहे हैं। ट्रंप अपने अनर्गल बयानों से हंसी के पात्र बन गए हैं। अगर 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी बड़ी कार्रवाई 26/11 के बाद की जाती तो कई आतंकवादी हमलों को टाला जा सकता था। पाकिस्तान को लेकर हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि शांति और सहिष्णुता से काम लेंगे तो उसमें कोई सुधार आ जाएगा। दरअसल पाकिस्तान अपने आतंकवादियों के मारे जाने से नहीं डरता है। वे तो पाले ही इसलिए जाते हैं, ताकि भारतीय सैनिकों की गोलियों से मारे जाएं। पाकिस्तान उस समय डरता है, जब उसकी फौज को चोट पहुंचती है। पाकिस्तानी अवाम बहुत बड़ी तादाद में अपने जवानों की लाशें देखकर हुक्मरानों से सवाल पूछ सकती हैं। याद करें, जब कारगिल युद्ध में सैकड़ों पाकिस्तानी फौजी मारे गए थे तो उनकी फौज ने लाशें लेने से ही इन्कार कर दिया था। तत्कालीन पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ को डर था कि इससे उन्हें लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। पाकिस्तान द्वारा किए जाने वाले आतंकवादी हमलों का जवाब देते समय इस तथ्य को ध्यान में रखना चाहिए। यह पड़ोसी देश एक-दो सैन्य अभियानों से सुधरने वाला नहीं है। जब उस पर लगातार प्रहार होंगे तो सुधार की उम्मीद की जा सकती है। इसके लिए केंद्र सरकार को बिना किसी दबाव के फैसले लेने होंगे। मोदी सरकार के रुख को देखकर कहा जा सकता है कि विदेशी ताकतों का कोई दबाव पाकिस्तान के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई में बाधा नहीं डाल सकेगा।

## ट्वीटर टॉक

ग्राम पंचायत पालुखुर्द की आदर्श आंगनबाड़ी का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं तथा बच्चों को दिए जाने वाले पोषाहार की गुणवत्ता का स्वयं सेवन कर मूल्यांकन किया। आंगनबाड़ी की कार्यप्रणाली और बच्चों की देखभाल को और बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

**-दिया कुमारी**

जैतारण में आयोजित समारोह में लगभग 362 करोड़ रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण कर उपस्थित आमजन को संबोधित किया। समाज कल्याण विभाग की योजनाओं के अंतर्गत डीबीटी के माध्यम से करीब 209 करोड़ रूपए की राशि हस्तांतरित की।

**-भजनलाल शर्मा**

स्वर्गीय श्री माधवराव सिंधिया जी की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि श्रद्धांजलि। राजनीति को जनसेवा का माध्यम बनाने वाले आप सिद्धांत, शुचिता और गरिमा के अद्वितीय प्रतीक थे। गरीबों के कल्याण और राष्ट्रोत्थान के लिए आपके कार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे।

**-वसुंधरा राजे**

## प्रेरक प्रसंग

# समाधान की दृष्टि

एक बार संत प्रफुल्लानंद के पास युवक आया जो आत्मिक दुख से भरा हुआ था। संत ने उससे अनेक प्रश्न किये, जिनके उत्तर से यह बात सामने आई कि यह युवक अपने साथियों से धोखा, छल आदि पाकर गहरे अवसाद में जी रहा है। संत उसके भोलेपन तथा भावुकता को महसूस कर रहे थे। संत ने उसे एक सुझाव दिया कि उनके कार्यालय में एक दायित्व रिक्त है। तकरीबन चार घंटे रोजाना काम करना है। यहां आने वाले बुजुर्ग लोगों का नियमित विवरण तथा उनके कष्ट को दर्ज करना है। बोलो करोगे? युवक सहर्ष मान गया और दो सौ रुपये प्रतिदिन पर काम करने लगा। दस दिन बाद जब वह संत से मिला तो उसकी आखों में चमक तथा उसके मन में उम्मीद थी। संत ने बातचीत की तो पता चला कि वह युवक अब जान सका है कि जगत में हर कोई किसी न किसी से धोखा खा रहा है। इसलिए अब उसको किसी से भी कोई शिकायत नहीं। उसने संत से एक सवाल पूछा, 'आपके पास तो मेरी परेशानी का इलाज था गुरुदेव। मैं अभिभूत हूं।' संत ने कहा, 'वत्स! लक्ष्मण तो काफी बाद में मूर्च्छित हुए थे, लेकिन संजीवनी बूटी तो पहले ही उग कर तैयार थी।

## सामयिक

# आरएसएस का शताब्दी वर्ष : संस्कार निर्माण की पाठशाला है संघ

**अवधेश कुमार**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर चुका है। इसकी आलोचना में विरोधियों के स्वर और विषयवस्तु आज भी वही हैं जो हम दशकों से सुनते आ रहे हैं। इसकी स्थापना से लेकर आज तक की यात्रा पर दृष्टि डालें तो विश्व इतिहास में ऐसा शायद ही कोई संगठन होगा जिसे इतने विरोधों और प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ा। बावजूद यदि संगठन अपनी कार्य पद्धति और सोच के साथ लगातार समाज के बीच विस्तार करते हुए जीवित है एवं भारत के साथ विश्व के अनेक देशों में कम या ज्यादा मात्रा में प्रभावकारी भूमिका निभा रहा है तो इसे हर कसौटी पर अद्भुत उपलब्धि कहना होगा। किसी भी संगठन का मूल्यांकन उसके स्वयं द्वारा बनाई गई कसौटियों एवं समाज की आवश्यकता-प्रासंगिकता के ही आधार पर हो सकती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना से अपना एकमात्र चरित्र बनाए रखा है कि वह देशभक्ति से ओतप्रोत स्वयंसेवकों का निर्माण करेगा और उसके बाद स्वयंसेवक अपनी सोच के अनुसार भारत को विश्व के उच्चतम शिखर पर एक आदर्श देश के रूप में ले जाने व बनाए रखने के लिए स्वेच्छा से काम करते रहेंगे। इसका अर्थ हुआ कि संघ अपने नाम और बैनर से देशभक्त स्वयंसेवक खड़ा करने के अलावा कुछ नहीं करेगा, स्वयंसेवक सब कुछ करेंगे। करने का एक ही उद्देश्य होगा, भारत का सतत अभ्युदय और वह भी दुनिया पर दबदबा या प्रभुत्व के लिए नहीं, बल्कि हिंदुत्व की व्यापक सोच विश्व कल्याण की भावना से।

संघ पर गहराई से अध्ययन करने वाले जिन लोगों ने भी उसकी लंबी यात्रा पर दृष्टि रखी है उन सबका एक ही निष्कर्ष है कि केवल भारत नहीं, संपूर्ण विश्व में राजनीतिक,गैर राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, स्वयंसेवी, एनजीओ, थिंक टैंक आदि को दृष्टि में रखकर इसे नहीं समझा जा सकता। अर्थात यह अन्य संगठनों या संस्थाओं की तरह संगठन और संस्था नहीं है। इसके संस्थापक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने भारत या समाज के अंदर एक संगठन की जगह संपूर्ण समाज के साथ एकाकार होने वाले या उसके पर्याय के तौर पर संगठन की कल्पना की और उस चरित्र को हर परिस्थिति में बनाए रखा। इसका सबसे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है? आप सार्वजनिक तौर पर किसी पार्टी, संगठन, संस्था पर आरोप लगाइए वह उपलब्ध माध्यमों से खंडन करने, विरोध करने और आरोप लगाने वालों के विरुद्ध प्रत्यारोप करने आ जाएगा। यह आम स्वाभाविक चरित्र है। ऐसा कोई दिन नहीं जब संघ पर सीधे हमले नहीं होते , उसकी निंदा या आलोचना नहीं होती। क्या कभी आपने संघ के अधिकारियों द्वारा पत्रकार वार्ता बुलाकर या बयान जारी कर पक्ष रखने, खंडन करने या प्रत्यारोप की भूमिका में देखा है? अन्य को छोड़ दीजिए तो यही एक पहलू इसे सभी संगठनों से बिल्कुल अलग चरित्र का सिद्ध करने के लिए पर्याप्त है।

यही संघ संस्थापक के दूरदृष्टि आश्चर्यचकित करती है। संघ की बैठकों में अधिकारी बताते हैं कि अगर हमारी कोई निंदा करे, विरोध करे तो उसका उत्तर देने में समय नहीं लगाना है, अपना काम करते रहना है। जब दूसरे सरसंचालक माधव सदाशिव गोलवलकर या गुरु गोलवलकर के आवास पर हमले हुए और स्वयंसेवकों ने विरोध किया तो उन्होंने ऐसा करने से रोका और कहा कि विरोध करने वाले भी हमारे अपने हैं। कल हमारा समर्थन करते थे आज विरोध कर रहे हैं तो वह भी हमें स्वीकार करना चाहिए। इस तरह संघ का चरित्र विकसित हो गया कि आलोचना और निंदा करने वाले को भी अपना मानकर ही व्यवहार करना है।

तीसरा विषय है विचारधारा का। अगर वर्तमान विचारधारा के ढांचे को देखेंगे तो एक ही शब्द है, हिंदुत्व. इसके अनुसार हिंदुओं का संगठन और हिंदू राष्ट्र के रूप में भारत की रचना की कल्पना। शाखाओं से लेकर शिक्षा वर्गों एवं कार्यक्रमों में हिंदुत्व का अर्थ यह बताया जाता है कि सभी के अंदर एक ही तत्व है इसलिए कोई और कुछ भी हमसे अलग नहीं है। तो जैसा व्यवहार हम अपने साथ करते हैं ,अपने को उन्नत करने के लिए परिश्रम करते हैं वही सोच और व्यवहार सबके साथ करना है। यह भी कि कोई इसे हिंदू राष्ट्र कहे, कोई भारत कहे, कोई हिंदुस्तान कहे कुछ भी कहे उससे अंतर नहीं आता, इस राष्ट्र का चरित्र वही है। हिंदुत्व अर्थात सर्वधर्म समभाव और सब के सुखी होने, सबके निरोग होने सबके भद्र होने का व्यापक विचार।

संक्षेप में कहा जाए तो 100 वर्षों की यात्रा में संघ इन्हीं तीन स्तंभों पर आगे बढ़ता रहा है। इसीलिए इतनी प्रतिकूलताओं, हमलों, निंदा व प्रतिबंधों के बावजूद वह अविचल है तथा स्वयंसेवकों ने समाज के हर क्षेत्र में अपनी दृष्टि से कार्य खड़ा किया है। इसी कारण आज संघ मातृसंगठन के रूप में बट वृक्ष के रूप में खड़ा है और विश्व के 100 से ज्यादा देशों तक कार्य पहुंचा है।

संघ संस्थापक की दूरदृष्टि देखिए। संघ कार्य के लिए प्रचारकों की परंपरा, जो परिवार से बाहर रहकर सन्यासी की तरह 24 घंटे संगठन के लिए ही काम करेंगे। पारिवारिक व्यक्ति या परिवार बसाने की कामना करने वाले भी पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में निश्चित अवधि तक समय देंगे और तब केवल संघ कार्य ही करेंगे। जब आपका कोई निजी स्वार्थ नहीं तो भारत राष्ट्र ही सर्वस्व की भावना से सैकड़ों प्रचारक एक सोच और योजना से काम करेंगे, संगठन विस्तार करेंगे तो लक्ष्य निश्चित प्राप्त होगा। डॉक्टर हेडगेवार अपने आरंभिक काल में ही हिंसक क्रांतिकारी संगठनों, अहिंसक कांग्रेस, समाज सुधार आंदोलन आदि के साथ प्रत्यक्ष कार्य करते रहे और उसके अनुभव के आधार पर उनके लगा कि अगर अंग्रेजों से मुक्ति हो भी गई तो जब तक भारत राष्ट्र की सही समझ रखने वाले प्रतिबद्ध शत- प्रतिशत जीवन लगाकर काम करने वाले लोग नहीं होंगे, भारत को जैसा होना चाहिए जहां होना चाहिए वह नहीं होगा और फिर यह गुलाम नहीं होगा इसकी भी गारंटी नहीं रहेगी।

तभी उन्होंने संघ की स्थापना की और फिर इसका क्रमिक विकास हुआ। अंत में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू की ओर आइए। स्वतंत्रता के पूर्व संघ के स्वयंसेवकों की प्रतिज्ञा में हिंदू राष्ट्र को स्वतंत्र करने की बात थी लेकिन उन्होंने संगठन को प्रत्यक्ष कभी आंदोलन या विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं होने दिया। उन्होंने देख लिया था कि अगर संघ सीधे आंदोलनों, विरोध प्रदर्शनों, समाज सुधार के कामों में लग गया तो यह खत्म हो जाएगा। इसलिए जब वे नमक सत्याग्रह में गए तो ससरसंचालक पद से त्यागपत्र दिया ताकि कोई भ्रम न रहे कि संगठन के रूप में संघ इस तरह का कार्य नहीं करेगा लेकिन स्वयंसेवक कर सकते हैं।

इसीलिए जब आलोचक और विरोधी पूछते हैं कि संघ ने स्वतंत्रता आंदोलन में कब भाग लिया, संघ ने कौन सा आंदोलन किया तो वे उसके चरित्र के विपरीत बात करते हैं। संघ की कल्पना रही है कि स्वयंसेवक, जहां भी रहे वहां हवा और विद्युत की तरह प्रभाव डालकर परिणाम लाये परंतु प्रत्यक्ष शायद दिखें भी नहीं। बिजली दिखती नहीं है लेकिन बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, गाड़ियां चलतीं हैं। हवा भी दिखती नहीं है लेकिन अगर हवा नहीं हो तो दुनिया नष्ट हो जाएगी। सच यह है जहां भी स्वयंसेवक हैं, उनने अनियोजित -नियोजित जितने कार्य किए हैं कि उनका विवरण इकट्ठा करना मुश्किल है। सच्चाई यह है कि भारत में ऐसा कोई आंदोलन, सामूहिक बड़ा कार्य, परिवर्तन, सकारात्मक उपलब्धि ऐसी नहीं रही जिसमें संघ के स्वयंसेवकों की भूमिका नहीं। चूंकि स्वयंसेवक राजनीति, समाज, संस्कृति, तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, रक्षा, आंतरिक सुरक्षा, कृषि, उद्योग, मनोरंजन, कला यानी समाज जीवन के हर क्षेत्र में हैं और उनके लक्ष्य निश्चित हैं तो वो अपनी भूमिका निभाते रहते हैं। वहां संघ का कोई बैनर नहीं हो सकता। जो संगठन समाज के पर्याय के रूप में स्वयं को बढ़ा रहा हो या समाज के साथ एकाकार रहता हो वह न अपनी उपलब्धियां के बारे में बात करेगा न इसकी आवश्यकता उसे महसूस होगी। आप संघ से जुड़े नहीं है लेकिन स्वयंसेवकों को जानते हैं तो जरा शांत होकर उनकी गतिविधियों, समाज में उनके योगदान आदि पर दृष्टि दौड़ाइए। आप देखेंगे कि जहां एक शाखा लगती है उसमें नियमित स्वयंसेवकों की संख्या भले कम हो लेकिन धीरे-धीरे समाज पर उसका प्रभाव पड़ता है, घरों में, एक दूसरे के साथ संबंधों में, अलग-अलग जीवन के अंगों में ऐसे परिवर्तन होते रहते हैं जो हमें भी महसूस नहीं होता कि कैसे और कब हो गया। उनके चलने, उठने, बैठने, खान-पान, किसी सामूहिक कार्यक्रम में भूमिका, व्यवहार से पूरा समाज प्रभावित होता है और कुछ उसके अनुरूप काम करने लगते हैं तो कुछ उनका समर्थन करते प्रशंसा करते हैं।

शताब्दी वर्ष में भी संघ का यही चरित्र सामने है। वह पंच परिवर्तन की बात कर रहा है। ये हैं, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समसरता, स्व आधारित व्यवस्था, कुटुंब प्रबोधन तथा नागरिक कर्तव्य। अर्थात स्वयंसेवक लोगों के बीच इन्हीं विषयों को लेकर जाएंगे जो एक राष्ट्र के रूप में भारत के लिए आवश्यक है। इसके लिए विस्तृत गृह संपर्क अभियान, हिन्दू सम्मेलन, प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठियां और समाज में आपसी सद्भाव संबंधी सभाओं - बैठकों का आयोजन होगा। तो शताब्दी वर्ष के पांच परिवर्तन और कार्यक्रम भी संघ के चरित्र को ही दिग्दर्शित करता है। वस्तुत: उसका हर कार्य अपने तीन मुख्य स्तंभों के अनुरूप ही रहा है रहेगा।

## विशेष

# अति महनीय है श्रीराम का जीवन चरित्र

**मुनि चैतन्य कुमार 'अमन'**

सनातन, जैन, बौद्ध, सिख सभी धर्म सम्प्रदायों में जिनका नाम गौरव के साथ लिया जाता है तो वह नाम है प्रभु श्रीराम। न केवल भारतीय परम्परा बल्कि विदेशी धरती पर भी प्रभु श्रीराम का नाम गौरव के साथ आदर्श के रूप में लिया जाता है। श्रीराम का नाम वैश्विक स्तर पर विश्रुत है। रामायण एक महाग्रन्थ है, तुलसी रामायण और वाल्मिकी रामायण एक महनीय ग्रंथ है जिसमें श्रीराम के जीवन चरित्र को विशद रूप में व्याख्यायित किया गया है। श्रीराम को मर्यादा पुरुषोतम कहा गया है, क्योंकि उनका कार्य मर्यादा सहित था। श्रीराम के जीवन के अनेक प्रसंग प्राप्त होते है जिसमें उन्होंने मर्यादा को सर्वोपरि स्थान दिया। जब राम और रावण का युद्ध चल रहा था। उस समय बाण के एक प्रहार से लक्ष्मण बेहोश कर गिर पड़ते है। भ्रातृप्रेम से विह्वल होकर श्रीराम भी उदासीन होकर बैठे है। उस समय राम के उदासीन चेहरे को देखकर नील-अंगद आदि सुभट परस्पर में बात करते हुए बोलते है देखो प्रभुराम भी आज कितने दु:खी है क्योंकि भाई लक्ष्मण बेहोश पड़े है। माता कौशल्या अयोध्या में है और माता सीता रावण की अशोक वाटिका में है।

ये शब्द सुनकर श्रीराम ने कहा कि मुझे इस बात का कोई गम नहीं कि मेरा प्यारा भाई लक्ष्मण बेहोश पड़ा है, न ही मेरे मन में इस बात का दु:ख है कि मेरी माता कौशल्या अयोध्या में है, मुझे इस बात का अफसोस भी नहीं कि मेरी चरण चंचरिका सीता रावण की अशोक वाटिका में विलाप कर रही है। मुझे कोई दु:ख है तो सिर्फ इस बात का है कि जब विभीषण मेरे पास आया था तब मैंने उसे लंकेश शब्द से संबोधित किया था। अब अगर शक्ति के प्रहार से लक्ष्मण नहीं रहेगा तो मैं भी जीवित नहीं रह सकूंगा और मैं विभीषण को लंका का अधिपति नहीं बना सका तो मेरा वचन भंग हो जाएगा। आज मुझे दु:ख है सिर्फ इस बात का कि मेरा वचन निष्फल हो जाएगा। उस रणभूमि में भी राम को अपने वचन भंग होने का दु:ख सता रहा था। यह था श्रीराम के जीवन का आदर्श ही था कि मेरा वचन भंग नहीं होना चाहिए, इसीलिए कहा जाता है प्राण जाय पर वचन न जाए। रघुकुल रीत सदा चली आए।

आज के युग में राम का नाम जपने वाले बहुत है पर श्रीराम के आदर्शों पर चलने वाले बहुत विरले हैं। रामायण का नित्य पाठ करने वाले बहुत मिलते है। संत वाल्मिकी द्वारा रचित अद्भुत रामायण को संत वाल्मिकी ने देवता, दानवों और मानवों में

बांटने के बाद शेष बचे दो अक्षर 'राम' को अपने पास रख लिए। तब सबने कहा कि जब रामायण में से राम को अपने पास में रख लिया फिर हमको क्या मिला। जिस प्रकार रामायण का सारभूत तत्त्व राम है, उसी प्रकार धर्म का सार है सत्य। आज धर्म की उपासना करने वाले तो बहुत मिलते है पर सत्य पर अडिग रहने वाले कोई विरले ही होते है। जब एक बार श्रीराम नदी के किनारे पहुंचे तो देखा एक बगुला धीमे-धीमे कदमों से चल रहा था तब राम ने लक्ष्मण को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'देखो लक्ष्मण पश्य लक्ष्मण पम्पायां बक: परम धार्मिक:। मन्दं मन्दं पदं घते, जीवानां वध शंकया।' अर्थात हे लक्ष्मण यह बगुला कितना धार्मिक है जो कि धीमे-धीमे पैरों से चल रहा है कि इसमें कितना करूणा का भाव है। यह सोच रहा है मेरे पैर से कोई जीव मर न जाय। यह सुनकर मछलियों ने कहा हे राम! आप जिस बगुले की प्रशंसा कर रहे है लगता है आप भी इस बगुले की मनोवृत्ति को नहीं जानते। यह तो हम जानते है कि यह बगुला कैसा है। अरे! इसने हमारे वंश को ही समाप्त कर दिया क्योंकि हम इनके चरित्र को जानती है। रात-दिन हमारे आस-पास यह रहता है। आवश्यकता है व्यक्ति का चरित्र श्रेष्ठ होना चाहिए। उसकी कथनी-करनी में समानता होनी चाहिए। राम के आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता है, केवल नाम जपना ही सार्थक नहीं होता। एक कवि ने बहुत सुन्दर पंक्तियां लिखी है, 'तुम पुण्य कार्य मत करो भले ही, किन्तु करो मत पाप, पुण्य के फल को पा लोगे। तुम राम नाम मत जपो भले ही, किन्तु करो सत्काम, राम के बल को पा लोगे।' आवश्यकता है विजयदशमी के इस अवसर पर यह संकल्प ले कि हम जीवन में कथनी-करनी की एकरूपता को अपनाकर सदैव सत्य को सुरक्षित रखेंगे, तभी पर्व मनाने की सार्थकता हो सकेगी, तभी जीवन में विजयश्री को हासिल कर पाएगें।

## नजरिया

# सदाचार-सत्य की विजय का महापर्व है दशहरा

**बाल मुकुन्द ओझा**

मोबाइल : 9414441218

सत्य पर असत्य की जीत का सबसे बड़ा त्यौहार दशहरा देशभर में 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, 1 अक्टूबर की शाम 7 बजकर 2 मिनट से दशमी तिथि शुरू हो जाएगी जो 2 अक्टूबर को शाम 7 बजकर 10 मिनट तक रहेगी। यही वजह है कि रावण दहन 2 अक्टूबर को ही किया जाएगा। भगवान राम ने बुराइयों के प्रतीक रावण का वध कर देश और दुनियां को भय, आतंक और डर से मुक्ति दिलाई थी। अब तो घर घर रावण रूपी बुराई और आतंक ने अपना साम्राज्य फैला रखा है जिसे समाप्त करने के लिए एक नहीं असंख्य राम की जरुरत है।

दशहरा या विजयदशमी पर्व हम हजारों सालों से मानते आरहे है। राम सत्य और रावण बुराई का प्रतीक माना गया है। यह भी कहा जा सकता है कि यह अन्याय पर न्याय और अधर्म पर धर्म की विजय है। यह सतयुग की घटना बताई जा रही है। वर्तमान को हम कलियुग के रूप में जानते है। इसमें कितनी सच्चाई है यह तो बस ईश्वर ही जनता है। उस समय एक रावण मारा गया मगर आज तो हमारे सामने रावणों की फौज खड़ी है जो अलग अलग मुखोटे लगाए घर घर बुराई फैला रही है यानि आज एक नहीं अनेक रावण है जो विभिन्न बुराइयों के प्रतीक है। असली दशहरा तो तभी मनाने में मजा आये जब इन सभी रावणों का धूमधाम से वध हो। आज घर घर रावण पग पग लंका देखी जा रही है। कहीं गुफा वाले रावण है तो कहीं फल वाले रावण। कहीं नाचते गाते रावण देखे जा रहे है तो कहीं भक्त बने रावण। अब तो आस्था स्थलों पर भी जाते डर लगता है। जाने किस मोड़ पर रावण मिल जाये। एक गायक ने इन शब्दों में व्याख्या की है 'कलयुग बैठा मार कुंडली जाऊ तो मै कहाँ जाऊ अब हर घर में रावण बैठा इतने राम कहाँ से लाऊ।'

तुलसीदास कृत रामायण के अनुसार रावण ने सीता माता का हरण जरूर किया मगर सतीत्व से खिलवाड़ नहीं किया। वह अपनी बहन सूर्पणखां का बदला लेना चाहता था। रावण शादी के लिए डराता धमकाता रहा मगर कोई जोर जबरदस्ती नहीं की। मगर आज के रावण धर्मोपदेशक के रूप में हमारे साथ छल कपट करने पर उतारू है। आस्था के साथ सरेआम खिलवाड़ कर रहे है। बेटी और बहन के रिश्ते को तार तार कर रहे है और हम अंधे हो कर सब कुछ देखते हुए भी अनजान बने हुए है। जब तक हम ऐसे रावणों को नहीं पहचानेंगे तब तक आज की सीता की इज्नत यूँ ही लूटती रहेगी। आज के रावण स्वयं को रावण नहीं मानते वे अपने को राम मानकर चलते है। वे खुद को सच्चा और सामने वाले को झूठा ठहराने में तनिक भी विलम्ब नहीं करते। बहरहाल हम एक बार फिर विजयदशमी पर्व मना रहे है। सदा की तरह परिवार के साथ मैदान पर पहुंचकर रावण वध देखेंगे। मेले का आनद लेंगे। कुछ खाएंगे पियेंगे औए घर लौटकर पर्व की जुगाली करेंगे।

आइये हम भी इस कथा सारणी के पन्ने पलटे। दशहरा या विजयदशमी देश का एक प्रमुख त्यौहार है। दशहरा का अर्थ है, वह पर्व जो पापों को हर ले। अन्याय के युग के अंत का यह पर्व है। दशहरा भक्ति और समर्पण का पर्व है। आश्विन शुक्ल दशमी को विजयदशमी का त्योहार देश भर में लाखों लोगों द्वारा धूमधाम से मनाया जाता है। खुले स्थानों पर मेलों का आयोजन एवं राक्षसराज रावण कुम्भकरण और मेघनाथ के बड़े- बड़े पुतलों का प्रदर्शन किया जाता है। यह त्योहार हमें प्रेरणा देता है कि हमें अंहकार नहीं करना चाहिए क्योंकि अंहकार के मद में डूबे हुये व्यक्ति का एक दिन विनाश तय है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और वीर व्यक्ति था परन्तु उसका अंहकार ही उसके विनाश कारण बना। दशहरा शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द 'दश- हर' से हुई है जिसका शाब्दिक अर्थ दस बुराइयों से छुटकारा पाना है। दशहरा का पर्व दस प्रकार के पापों- काम, क्रोध, लोभ, मोह मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी के परित्याग की सदप्रेरणा प्रदान करता है। विजयादशमी का यह त्यौहार बुराइयों पर अच्छाई का प्रतीक है। दशहरा अच्छाई की बुराई पर जीत का पर्व है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने रावण का अंत कर दिया था लेकिन अच्छाई और बुराई के बीच की यह जंग आज भी जारी है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# रूस ने गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए ट्रंप के प्रयास का समर्थन किया

मास्को/भाषा। रूस ने मंगलवार को कहा कि वह गाजा में शांति बहाल करने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के किसी भी प्रयास का स्वागत और समर्थन करता है। एक दिन पहले, ट्रंप ने युद्ध समाप्त करने और अशांत क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए 20 सूत्री शांति योजना का प्रस्ताव दिया था।

सोमवार को ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच वार्ता के बाद पेश की गई शांति योजना में गाजा में युद्ध को तत्काल समाप्त करने और हमास द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों को 72 घंटों के भीतर रिहा करने का प्रस्ताव है।

रूसी सत्ता प्रतिष्ठान 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने ट्रंप की शांति योजना के बारे में रूस के विचार के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, ''रूस हमेशा ट्रंप द्वारा किए गए ऐसे किसी भी प्रयास का समर्थन और स्वागत करता है जिसका उद्देश्य वर्तमान में घटित हो रही त्रासदी को रोकना है।'' पेस्कोव ने कहा, हम चाहते हैं कि इस योजना को लागू किया जाए, ताकि यह मध्य पूर्व में घटनाओं को शांतिपूर्ण दिशा में लाने में मदद कर सके।

# हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारतीय खाद्य निगम के क्षेत्रीय कार्यालय में सोमवार को कवि सम्मेलन एवं हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ईश्वर वंदना से हुई। इसमें महाप्रबंधक (कर्नाटक) बीओ महेश्वरप्पा, उप महाप्रबंधक (राजभाषा), उप महाप्रबंधक (संचालन) एवं उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) के साथ स्थानीय कविगण सुनील तरुण एवं प्रेम तन्मय ने शिरकत की।बीओ महेश्वरप्पा ने मुख्य अतिथि के साथ ही अध्यक्ष पद भी संभाला। प्रबंधक (राजभाषा) मनोज कुमार साव ने मंच संचालन करते हुए स्वागत भाषण दिया और अतिथिगण का परिचय कराया। कविगण ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं।क्षेत्रीय कार्यालय में 14 से 29 सितंबर तक हिंदी पखवाड़े में पांच प्रतियोगिताएं- भारतेंदु हरिश्चंद्र लिखित परीक्षा (केवल संवर्ग-1 के लिए), हिंदी टिप्पण एवं आलेखन, हिंदी टंकण, हिंदी-कन्नड़ संगम एवं प्रशासनिक शब्दावली, आयोजित की गईं थी। इनमें लगभग 80 कार्मिकों ने हिस्सा लिया।विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

# ब्रिटेन पुलिस ने गांधी प्रतिमा को क्षति पहुंचाने के मामले की जांच शुरू की

लंदन/भाषा। ब्रिटेन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने मंगलवार को कहा कि उसने लंदन के टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की प्रतिमा को पहुंचाई गई क्षति की जांच शुरू कर दी है और पुलिस इसे नस्लीय विद्वेष से जुड़ा अपराध मान रही है।

पुलिस ने कहा कि उसे रविवार शाम को प्रतिष्ठित प्रतिमा के पास बुलाया गया था, क्योंकि ऐसी खबरें आई थीं कि प्रतिमा के चबूतरे पर विचलित करने वाले भित्तिचित्रों से उसे विरुपित किया गया है, जिसकी लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने हिंसक हमला करार देते हुए निंदा की है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के एक बयान में कहा गया है, हमने टैविस्टॉक स्क्वायर गार्डन में महात्मा गांधी की प्रतिमा को क्षति पहुंचाने की रिपोर्ट की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने कहा, इस घटना को नस्लीय विद्वेष से जुड़ा अपराध माना जा रहा है और जांच जारी है। फिलहाल कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसने गवाहों से अपील की है कि वे जांच में मदद करने वाली कोई भी जानकारी लेकर सामने आएं। इस बीच, स्थानीय अधिकारियों ने पुष्टि की कि उनकी स्वच्छता टीमों को नुकसान का आकलन करने के लिए मौके पर भेजा गया है। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग ने सोमवार को प्रतिमा को विरूपित करने की कड़ी निंदा करते हुए इसे गांधी जयंती (बृहस्पतिवार) से कुछ दिन पहले महात्मा गांधी की विरासत पर हमला बताया। भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा, लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग 'टैविस्टॉक स्क्वायर' पर स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा को तोड़े जाने की घटना से बेहद दुखी है और इसकी कड़ी निंदा करता है। मिशन ने कहा, यह सिर्फ विरूपित किए जाने की घटना नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस से तीन दिन पहले अहिंसा के विचार और महात्मा गांधी की विरासत पर हिंसक हमला है। हमने तत्काल कार्रवाई के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया है और हमारी टीम पहले से ही घटनास्थल पर मौजूद है तथा प्रतिमा को ठीक करने के लिए अधिकारियों के साथ समन्वय किया जा रहा है।

# अक्कीपेट स्थानकवासी नवयुवक मंडल ने आयोजित किया गुरु दर्शन यात्रा संघ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वर्धमान स्थानकवासी जैन नवयुवक मंडल अक्कीपेट के तत्वावधान में 80 सदस्यों ने रविवार को गुंटकल में विराजित साध्वी देवेन्द्रप्रभाजी व बल्लारी में विराजित साध्वीश्री मंगलज्योति जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। संघ यात्रा के प्रायोजक महेंद्र, राजेंद्र, प्रदीप बाफना परिवार के सौजन्य से आयोजित संघ में युवा अध्यक्ष कमलेश सालेचा, धर्मेंद्र लुंकड़, पंकज विनायकिया, महावीर भंसाली, महावीर छाजेड़, आशिक भंसाली एवं संयम विनायकीया ने व्यवस्था संभाली। युवा संघ के सदस्यों ने जीव दया के लिए सहयोग राशि प्रदान की।

# आशापुरा धाम में अष्टमी पूजा व विशेष भोग अर्पण सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित आशापुरा धाम में मंगलवार को पंडितजी द्वारा विशेष अभिषेक महामंडल, अष्टमी पूजा, स्वास्ति वाचन और होम यज्ञ संपन्न हुआ। पूजा के बाद कन्या भोज का आयोजन किया गया। मंदिर में विनायकजी एवं श्री खेतलाजी को 56 भोग अर्पित किए गए तथा माताजी को विशेष 108 भोग अर्पण किए गए। मंदिर प्रांगण में छोटे-छोटे बच्चों ने गणपति, खेतलाजी और माताजी के स्वरूप में वेशभूषा धारण कर प्रवेश किया और भोग अर्पण किया। दोपहर में मेहंदी वितरण व मेहंदी लगवाई का कार्यक्रम हुआ। शशम को माताजी की आरती, पथ श्रृंगार और दीपक अलंकरण का आयोजन हुआ। नवमी के मौके पर बारहवें ध्वजारोहण का आयोजन होगा।

# परेश रावल की फिल्म 'द ताज स्टोरी' के पोस्टर से उठा विवाद

**नयी दिल्ली/भाषा**

अभिनेता परेश रावल की आगामी फिल्म 'द ताज स्टोरी' के पोस्टर में उन्हें ताजमहल का गुंबद हटाते और उसमें से भगवान शिव की मूर्ति निकलते हुए दिखाए जाने को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया है। इस पर फिल्म निर्माताओं ने कहा कि यह फिल्म 'किसी धार्मिक मामले से संबंधित नहीं है।' 'स्वर्णिम ग्लोबल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड' के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन तुषार अमरीश गोयल ने किया है। उसका निर्माण सीए सुरेश झा ने किया है। रावल और फिल्म निर्माताओं ने सोमवार को फिल्म का पोस्टर जारी किया। पोस्टर के शीर्षक में लिखा है, क्या होगा अगर आपको जो कुछ भी पढ़ाया-सिखाया गया है वह सब झूठ हो? सच सिर्फ छिपाया नहीं गया है, उसे परखा भी जा रहा है। 31 अक्टूबर को अपने नज़दीकी सिनेमाघरों में 'द ताज स्टोरी' के साथ सच्चाई को जानिए। इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई और कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने इसे 'दुष्प्रचार' और 'फर्जी' करार दिया है। 'स्वर्णिम ग्लोबल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड' ने कुछ ही देर बाद एक बयान जारी कर इसका जवाब दिया।

उसने कहा, फिल्म 'द ताज स्टोरी' के निर्माता स्पष्ट करते हैं कि यह फिल्म किसी भी धार्मिक मुद्दे से संबंधित नहीं है, न ही यह दावा करती है कि ताजमहल के अंदर कोई शिव मंदिर है। यह पूरी तरह से ऐतिहासिक तथ्यों पर केंद्रित है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप फिल्म देखें और अपनी राय बनाएं। लेकिन बहस थमने का नाम नहीं ले रही है। कई लोगों ने कहा कि यह हाल में रिलीज हुई 'द उदयपुर फाइल्स' और 'द बंगाल फाइल्स' जैसी फिल्मों के बाद सिनेमा में 'प्रोपगैंडा' का नवीनतम उदाहरण प्रतीत होता है। एक व्यक्ति ने 'एक्स' पर लिखा, पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि यह ताजमहल को एक धार्मिक स्थल के रूप में चित्रित करने का प्रयास है। ताजमहल दो प्रेमियों की कब्र है। इससे ज़्यादा कुछ नहीं।

एक अन्य ने 'एक्स' पर लिखा, मध्य काल में, भारत आए सभी यूरोपीय यात्रियों, चाहे वे फ्रांस्वा बर्नियर हों, जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर हों या पीटर मुंडी, सभी ने ताजमहल को मंदिर नहीं, बल्कि शाहजहां द्वारा निर्मित एक मकबरा बताया था। एक अन्य उपयोगकर्ता ने 'द ताज स्टोरी' जैसी फिल्म बनाने के लिए रावल की आलोचना की। उसने कहा, क्या पतन है सर, परेश रावल, 'ओह माई गॉड' से नकली 'द ताज स्टोरी' तक आ गये। उसका इशारा 2012 में आई समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म 'ओह माई गॉड' की ओर था, जिसमें उन्होंने एक नास्तिक वकील की भूमिका निभाई थी, जिसने ईश्वर पर मुकदमा किया था। एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर लिखा, फिल्म 'द ताज स्टोरी' उस खारिज किए गए दावे को फिर से जीवित करती है कि ताजमहल कभी एक हिंदू मंदिर था। इतिहासकार इसे छद्म इतिहास बताकर खारिज करते हैं, लेकिन आलोचकों को डर है कि यह सांप्रदायिक विभाजन को बढ़ावा देगा। ताज 17वीं सदी की मुगलकालीन कृति है – भारत की साझा विरासत। रावल 2014 से 2019 तक अहमदाबाद पूर्व से भाजपा सांसद थे। हालांकि फिल्म की कथानक अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन निर्माताओं ने पहले एक बयान में कहा था कि यह फिल्म 'ताजमहल के 22 बंद दरवाजों के पीछे छिपे सवालों और रहस्यों' को उजागर करती है। निर्माताओं ने दावा किया कि फिल्म 'भारतीय इतिहास के एक ऐसे अध्याय को प्रस्तुत करने का वादा करती है, जिसे पहले कभी किसी ने प्रस्तुत करने की हिम्मत नहीं की।'

इसी साल 14 अगस्त को, 70 वर्षीय रावल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का एक छोटा सा दृश्य साझा किया था। उन्होंने इसके शीर्षक में लिखा था, आज़ादी के 79 साल बाद भी क्या हम बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं? अदालत के दृश्य में रावल जिस किरदार में न्यायाधीशों के सामने बहस कर रहे हैं, उसे यह कहते हुए दिखाया गया, आजादी के 78 साल बाद भी हमारी सोच, नजरिया उन्हीं लोगों के तलवे चाट रहा है, जिन्होंने लेश मात्र संकोच नहीं किया, हमारी पूरी सुरक्षा को खत्म करने की, हमारे अस्तित्व को मिटाने की। यह किरदार कहता है, यदि हम उन्हें आज नहीं उठाते, तो हमारा इतिहास और हमारा अस्तित्व सिर्फ सवाल बनकर रह जाएंगे। 'द ताज स्टोरी' में जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास जैसे अन्य कलाकार भी हैं।

## मांजीसा उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मांजीसा भक्त मण्डल ट्रस्ट द्वारा आरटी स्ट्रीट के निमिशाम्बा देवी कल्याण मंडप में आयोजित नवरात्रि महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत का सम्मान करते हुए ट्रस्ट के सदस्य। इस मौके पर मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर कहा कि नवरात्रि पर्व शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा के नव रूपों की आराधना व सनातन संस्कृति का पर्व है।

# अनिक दत्ता ने नयी फिल्म को सत्यजीत रे को श्रद्धांजलि बताया, कहा: कहानी मौलिक

**कोलकाता/एजेन्सी**

प्रख्यात फिल्म निर्माता अनिक दत्ता ने कहा है कि हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'जोतो कांडो कोलकातातेई' प्रतिष्ठित बंगाली जासूसी फिल्म 'फेलुदा' के निर्माता सत्यजीत रे को श्रद्धांजलि है और अपने आप में एक मौलिक कहानी है। मल्टीप्लेक्स और सिंगल स्क्रीन पर अच्छा प्रदर्शन कर रही इस फिल्म का शीर्षक सत्यजीत रे की पुस्तक 'जोतो कांडो काठमांडूते' से लिया गया है, लेकिन इसमें एक नयी कहानी बुनी गयी है, जिसमें एक युवती अपने 'जैविक परिवार' को खोजने के लिए एक जासूस को काम पर रखती है।

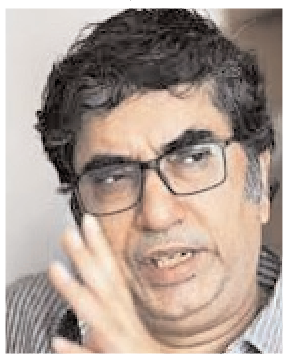

दत्ता ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''एक तरह से हां, इसे श्रद्धांजलि कह सकते हैं... लेकिन मेरी लेखनी कुछ ऐसी है, जो फेलूदा कहानी का अहसास देती है, जबकि असल में वह खुद फेलूदा की कहानी नहीं है। मैंने यह महसूस किया कि मैं फेलूदा जैसी फिल्म को निर्देशित नहीं कर सकता, इसलिए यह रास्ता चुना।

'भूतेर भविष्यत' के निर्देशक ने इस बात पर जोर दिया कि कोलकाता स्वयं फिल्म में केंद्रीय भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, कोलकाता में घटित होने वाली घटनाओं के दौरान जहां शहर पृष्ठभूमि बन जाता है, वहीं कुछ स्थान और इमारतें स्वयं ही वह पात्र बन जाती है, जिनके बिना फिल्म आधी या अधूरी रह जाती। कुछ सिनेमाघरों में अबीर चटर्जी, काजी नवशाबा अहमद, रोजा पारोमिता डे और दुलाल लाहिड़ी अभिनीत यह फिल्म हाउसफुल रही है।

# सिनेमा नहीं, सीधा पॉवर है ये! : रुक़्मिणी

**मुंबई/एजेन्सी**

मुंबई के कांतारा चैप्टर 1 प्रमोशन इवेंट में अदाकारा रुक़्मिणी वसंत ने सबका ध्यान खींच लिया। फिल्म तो वैसे ही इंडियन सिनेमा का अगला बड़ा बम कहलाने लगी है, ऊपर से रुक़्मिणी ने अपनी जर्नी शेयर करके महफिल ही लूट ली। मुझे गर्व है कि मेरी पहली चाल इतनी स्पेशल फिल्म के साथ है। जैसे सर ने हमारे मेकिंग वीडियो में बोला था ये सिर्फ सिनेमा नहीं, ये तो हमारी शुद्ध श्क्ति है। और मुझे इस शक्ति का छोटा-सा हिस्सा बनाने के लिए मैं सर को दिल से थैंक्यू बोलती हूँ। और बस यही कहूँगी ये शक्ति हम सब फील कर रहे हैं।

फिल्म में रुक़्मिणी कनकावती का रोल कर रही हैं ताक़त और नज़ाकत का तड़का एकदम परफेक्ट अंदाज़ में। लोग उनकी अदाकारी पर फिदा हो गए हैं कभी नाज़ुक तो कभी धाकड़, दोनों रूप झकास लगे। फैंस और क्रिटिक्स दोनों ने ही उनकी स्क्रीन प्रज़ेन्स पर जमकर तालियाँ बजाईं। सोशल मीडिया पर तो बस रुक़्मिणीरुक़्मिणी की गूंज है। लोग कह रहे हैं ये लड़की बनेगी इंडिया की अगली सुपरस्टार। कुल मिलाकर, कांतारा चैप्टर 1 के साथ रुक़्मिणी वसंत ने कर ली है एक दमदार एंट्री और ये पैनइंडिया सफ़र अभी बस शुरू हुआ है! मीडिया से हँसतेमुस्कुराते रुक़्मिणी बोलीं, सबसे पहले तो थैंक्स भैया कि आप सब यहाँ कांतारा सेलिब्रेट करने आए। मज़ा आ गया, दिल खुश हो गया। लेकिन सच बोलूं तो कांतारा हमारी पूरी टीम के लिए इमोशनल वाली फिल्म है।

# छत्तीसगढ़ में फिल्म 'बलिदानी राजा गुरु बालकदास' को कर मुक्त करने की घोषणा

**रायपुर/भाषा**

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सतनामी समाज के प्रसिद्ध गुरू बालकदास पर बनी फिल्म 'बलिदानी राजा गुरु बालकदास' को राज्य में कर मुक्त करने की घोषणा की है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय सोमवार को राजधानी रायपुर के एक मॉल के सिनेमाघर में छत्तीसगढ़ी फिल्म 'बलिदानी राजा गुरु बालकदास' देखने पहुंचे। इस अवसर पर उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, विधायक और अन्य लोग मौजूद थे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'बलिदानी राजा गुरु बालकदास' फिल्म साहस और शौर्य की अनुपम गाथा है। उन्होंने कहा कि गुरु बालकदास ने अंग्रेजों और पिंडारियों द्वारा किसानों पर किए जा रहे अत्याचार और भुखमरी के विरुद्ध न केवल संघर्ष किया, बल्कि समाज को संगठित करने का भी प्रयास किया। उन्होंने शिक्षा की अलख जगाने, सामाजिक सद्भाव को बढ़ाने और अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों का विरोध करने के साथ ही स्वतंत्रता संग्राम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

साय ने इस अवसर पर घोषणा की कि फिल्म 'बलिदानी राजा गुरु बालकदास' को छत्तीसगढ़ में कर मुक्त किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक दर्शक इस प्रेरणादायी गाथा को देख सकें और अपने इतिहास तथा विरासत से जुड़ सकें। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमारा छत्तीसगढ़ राज्य प्रारंभ से ही वीर शहीदों और संत-महात्माओं की धरती रहा है। आवश्यकता है कि हम अपने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के इतिहास को जानें और समझें।'' उन्होंने कहा कि यह फिल्म छत्तीसगढ़ की स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका, राज्य की समृद्ध संस्कृति, सामाजिक सद्भाव, अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष और जीवन की सहजता को अत्यंत सुंदर ढंग से प्रस्तुत करती है।

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ी सिनेमा की प्रतिभाओं की सराहना करते हुए कहा, ''हमारे कलाकार, निर्देशक और पूरी यूनिट मेहनत और लगन से कार्य कर रही है। यही कारण है कि छत्तीसगढ़ी सिनेमा आज दर्शकों के दिलों को छू रहा है।

# संजय लीला भंसाली ने मुझे सिनेमा के बारे में सब कुछ सिखाया है : रणबीर

**नयी दिल्ली/एजेन्सी**

अभिनेता रणबीर कपूर का कहना है कि फ़िल्म निर्माता संजय लीला भंसाली ने उन्हें सिनेमा के बारे में सब कुछ सिखाया है और अभिनय की कला के बारे में वह कुछ जो भी जानते हैं उसका पूरा श्रेय भंसाली को जाता है। रणबीर कपूर ने अपने अभिनय की शुरूआत 2007 में रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की फिल्म सांवरिया से की थी। और अब वह 18 साल बाद आगामी फिल्म लव एंड वॉर के लिए भंसाली के साथ काम कर रहे हैं। यह फिल्म 20 मार्च 2026 को रिलीज होगी। इसमें रणबीर कपूर अपनी पत्नी आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ नजर आएंगे। अपने 43वें जन्मदिन के मौके पर सोशल मीडिया मंच इन्स्टाग्राम पर लाइव आए रणबीर कपूर ने अपने सह-कलाकारों और निर्देशक के बारे में बात की।

उन्होंने कहा, 'लव एंड वॉर' फिल्म का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है और इसमें मेरे पसंदीदा दो कलाकार विकी कौशल और मेरी पत्नी आलिया भट्ट हैं। रणबीर कपूर ने कहा, ''इस फिल्म का निर्देशन उस व्यक्ति ने किया है जिसने मुझे सिनेमा के बारे में सबकुछ सिखाया है। मैं अभिनय के बारे में जो भी जानता हूं उसका पूरा श्रेय उन्हें ही जाता है और वह तब भी गुरु थे।

मैं उनके साथ 18 साल बाद काम कर रहा हूं तथा वह आज और भी बड़े गुरु हैं। मैं उनके साथ काम करके बहुत खुश हूं। इस फिल्म में कौशल पहली बार भंसाली के साथ काम कर रहे हैं। इसमें आलिया भट्ट और भंसाली फिर से एक साथ काम कर रहे हैं। आलिया ने 2022 में भंसाली के निर्देशन में बनी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में काम किया था। फिल्म में उन्होंने गंगूबाई काठियावाड़ी की भूमिका निभाई, जो एक महिला माफिया डॉन थी और कमाठीपुरा में एक वेश्यालय चलाती थी।

# राम चरण को फिल्म उद्योग में 18 साल के सफर के लिए बधाई दी

**नयी दिल्ली/एजेन्सी**

मशहूर अभिनेता चिरंजीवी ने रविवार को अपने बेटे और अभिनेता राम चरण के फिल्म उद्योग में 18 साल पूरे होने पर उनके लिए एक भावुक संदेश लिखा और उनके ''अनुशासन, कड़ी मेहनत, लगन, विनम्रता और समर्पण'' की प्रशंसा की। चरण ने 2007 में रिलीज हुई ''चिरुथा'' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। जगन्नाथ द्वारा निर्देशित यह फिल्म हिट साबित हुई। इसके बाद अभिनेता ने ''आरआरआर'', ''रंगस्थलम'' और ''मगाधीरा'' ङ्कङ्कसहित कई अन्य फिल्मों में अभिनय किया।

चिरंजीवी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''चरण बाबू, मुझे बहुत खुशी है कि 18 साल पहले ''चिरुथा'' से शुरू हुआ आपका सिनेमाई सफर आज लाखों

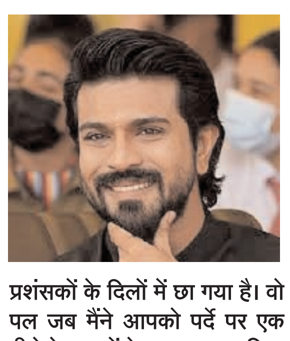

प्रशंसकों के दिलों में छा गया है। वो पल जब मैंने आपको पर्दे पर एक हीरो के रूप में देखा था... एक पिता के तौर पर मैं उसे कभी नहीं भूल पाऊंगा। आपके अनुशासन, कड़ी मेहनत, लगन, विनम्रता और समर्पण ने आपको फिल्मी दुनिया में और भी अलग पहचान दिलाई है।'' उन्होंने कहा, ''एक पिता होने के नाते, मुझे आप पर हमेशा गर्व रहेगा... तेलुगु दर्शकों के प्यार और ईश्वर के आशीर्वाद से आप और भी ऊंचाइयों को छूएं, यही कामना करता हूं...विजय।''

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com